हिन्दी पाठ

मातृभाषा - हिन्दी

कक्षा - २

523S23

शिक्षक शिक्षा निदेशालय तथा राज्य शैक्षिक
अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद,
ओड़िशा, भुवनेश्वर

ओड़िशा विद्यालय शिक्षा कार्यक्रम प्राधिकरण,
भुवनेश्वर

हिन्दी पाठ

मातृभाषा - हिन्दी

कक्षा - २

पाठ्यपुस्तक निर्माण समिति

प्रो. डॉ. राधाकान्त मिश्र, अध्यक्ष
डॉ. स्मरप्रिया मिश्र, प्रभारी
डॉ. रवीन्द्रनाथ मिश्र
डॉ. स्नेहलता दास
डॉ. सौदामिनी मिश्र
डॉ. लक्ष्मीधर दाश
डॉ. अजित प्रसाद महापात्र
श्री सुरथ बेहेरा
श्री आशीष कुमार राय

संयोजिका

डॉ. तिलोत्तमा सेनापति
डॉ. नन्दिता मिश्र
श्रीमती अनुपमा नन्द
डॉ. सविता साहु

प्रकाशक

विद्यालय और गणशिक्षा विभाग,
ओड़िशा सरकार

संस्करण - २०१०
२०१९

प्रस्तुति :
शिक्षक शिक्षा निदेशालय तथा राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद
ओड़िशा, भुवनेश्वर
और
ओड़िशा राज्य पाठ्यपुस्तक प्रणयन और प्रकाशन संस्था, भुवनेश्वर

मुद्रण : पाठ्यपुस्तक उत्पादन और विक्रय, भुवनेश्वर

आइए, ऐसा करें :

इस नए पाठ्यक्रम में कई तब्दिलियाँ की गई हैं । पहली है दृष्टिकोण में भिन्नता । अब शिक्षक शिक्षा प्रदान करने की तुलना में विद्यार्थी द्वारा स्वयं सीखने के प्रयास पर जोर दें । भाषण कम करें । विद्यार्थीयों को बोलने का मौका दें । उदाहरणार्थ- स्वयं गद्य/पद्य का आदर्श वाचन कर दें, फिर विद्यार्थीयों द्वारा उस कार्य को कराए । लेखनशैली ता दें, फिर लिखवाए । वाद-विवाद, तर्कसभा, नाटकीय संवाद आदि अधिक करवाए । लघु निबंध, छोटे-छोटे अनुच्छेद-लेखन, पत्र, आवेदन पत्र, सरकारी दप्तरों में प्रचलित पत्रों आदि पर अभ्यास कराया जाए ।

दूसरी बात है-भाषा-शिक्षण पर अधिक बल देना है । इसलिए हर पाठ के उपरांत लंबी अनुशीलनियाँ दी गई हैं । उनके आधार पर शिक्षक अपनी तरफ से भी नई प्रश्न-शैलियों का प्रयोग कर सकते हैं और विद्यार्थीयों द्वारा अभ्यास करवा सकते हैं । फिर साहित्य पर ध्यान दें । इससे बच्चों की रूचि परिमार्जित होती है और मानवीय वृतियों का पोषण पल्लवन होता है ।

तीसरी बात है मूल्यांकन शैली में परिवर्तन । विद्यार्थीयों के मस्तिष्क से परीक्षा का भय दूर किया जाएं । पाठ को रटने की अपेक्षा सृजनात्मक व्यक्तिगत लेखने अधिक महत्व रखता है । साल में दो-एक परीक्षा के महत्व को कम करके तात्कलिक/सार्वाधिक परीक्षाए अधिक संख्या में हों । सबका मूल्यांकन अंतिम परिक्षण में प्रतिफललित हो ।

शिक्षका से अनुरोध है कि वे पाठ्यपुस्तक का पहले देख ले, इसके दृष्टिकोण, कर्स, कार्य, शैली का अनुध्यान करके अपनी शिक्षा-शैली बनाए । शिक्षक तथा विद्यार्थीयों की सक्रियता से भाषा-शिक्षण सरस होता है ।

हिन्दी हमारी राष्ट्रभाषा तथा राजभाषा है । इसे सीखना प्रत्येक नागरिक का संविधानिक कर्तव्य है । यह सारे देश के जन-जन में योगसूत्र स्थापित करने की भाषा है । इसे सीखने में रेडियो, टेलीविजन, इंटरनेट आदि आधुनिक माध्यमों का भी उपयोग किया जाए । क्योंकि ये शिक्षण के सरल और सशक्त साधन हैं । यह पाठ्यपुस्तक इन सी का आधार प्रस्तुत करती है ।

शिक्षकों, अभिभावकों के सहयोग और साधनों के उपयोग से हिन्दी भाषा का अध्ययन काफी सरस हो सकता है ।

विषय सूची

क्र.सं.	विषय		पृष्ठ
१.	हम नन्हे नन्हे बच्चे हैं	(कविता)	१
२.	अधिक बलवान कौन	(गद्य)	७
३.	काले मेघा पानी दे	(कविता)	१५
४.	बिल्ली कैसे रहने आई आदमी के संग	(गद्य)	१९
५.	तितली और कली	(कविता)	२३
६.	दोस्त की मदद	(गद्य)	२८
७.	तारे	(कविता)	३५
८.	सबसे अच्छा कौन	(गद्य)	३९
९.	किसान	(कविता)	४५
१०.	पेड़-पौधे	(गद्य)	५०
११.	कौन	(कविता)	५६
१२.	एकता मे बल है	(गद्य)	६०
१३.	कोयल	(कविता)	६५
१४.	हास्यकथा	(गद्य)	६९
१५.	एक-एक	(कविता)	७६
१६.	असली धन	(गद्य)	७९

हम नन्हे नन्हे बच्चे हैं

52CN3Q

हम नन्हे नन्हे बच्चे हैं
बढ़ते ही जाएँगे,
पर बाधाएँ जो भी आएँ,
उनसे टकराएँगे,
हम नन्हे नन्हे बच्चे हैं
बढ़ते ही जाएँगे ।

हम तेज़ हवा के झोंके हैं
कभी हाथ न आएँगे,
सागर की लहरों से हम
घुलमिल जाएँगे,
हम नन्हे नन्हे बच्चे हैं
बढ़ते ही जाएँगे ।

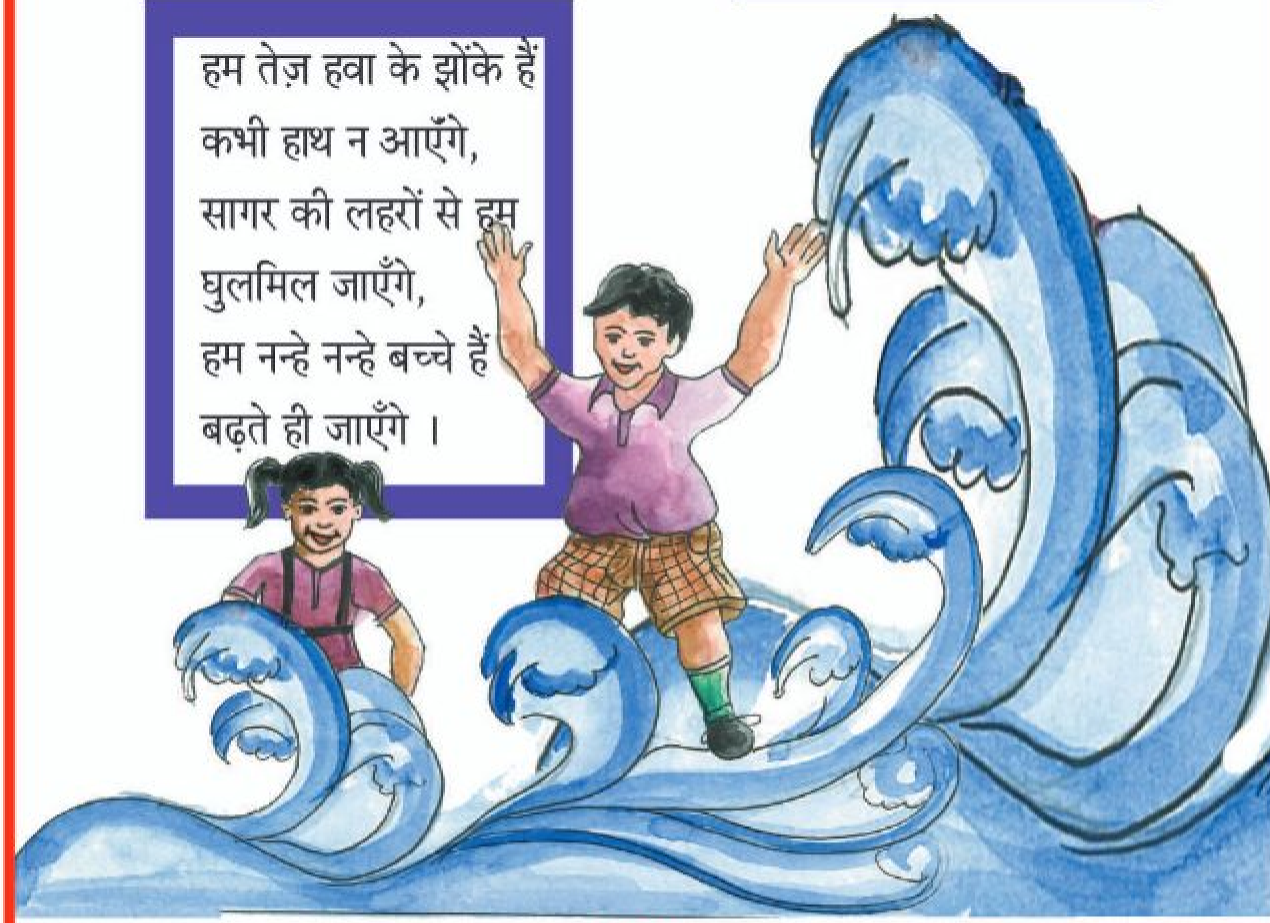

हम ठंडे-मीठे झरने हैं
झर-झर कर गाएँगे,
हम सूरज बन दुनिया का
अंधकार मिटाएँगे,
हम नन्हे नन्हे बच्चे हैं
बढ़ते ही जाएँगे ।

हम रंग-बिरंगे फूल बने
खुशबू फैलाएँगे,
भारत माँ की बगिया को
खिल-खिल महकाएँगे,
हम नन्हे नन्हे बच्चे हैं
बढ़ते ही जाएँगे ।

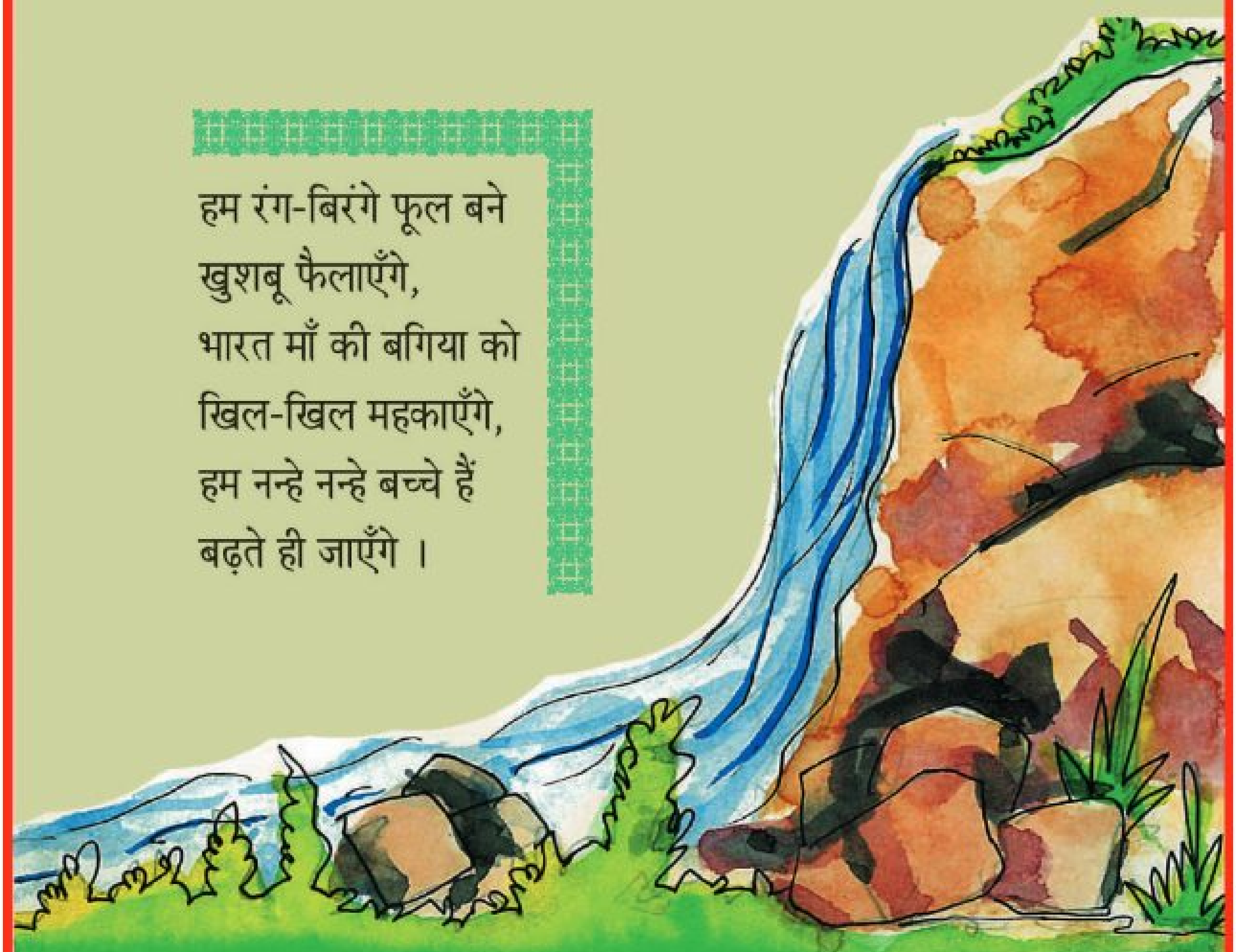

शब्द-अर्थ :

नन्हे - छोटे;

बाधा - रुकावट

राह - रास्ता

टकराएँगे - भिड़ जाएँगे

तेज - वेगवान

सागर - समुद्र

घुलमिल जाएँगे - हिलमिल जाएँगे

अंधकार - अंधेरा

रंग-बिरंगे - अनेक रंगोंवाले

खुशबू - सुवास, सुगंध

बगिया - बगीचा

महकाएँगे - खुशबू फैलाएँगे

अभ्यास

सोचो और बताओ :

१. यह कविता कौन गा रहे हैं?

२. बच्चे कैसे हैं ?

३. बाधाएँ आने से बच्चे क्या करेंगे?

४. तेज हवा के रूप में बच्चे क्या करेंगे?

५. बच्चे सागर की लहरों से क्या करना चाहते हैं?

६. बच्चे सूरज बनकर क्या करना चाहते हैं?

७. बच्चे खुशबू कैसे फैलाएँगे ?

८. बच्चे किसे महकाएँगे?

१. कविता की पंक्तियाँ पूरी करो :

क) हम तेज ——— हैं

कभी हाथ ———।

ख) हम ——— झरने हैं

——— गाएँगे ।

ग) हम ——— दुनिया का

——— मिटाएँगे ।

जोड़े :

१. जोड़े मिलाओ और ये कैसे हैं जानो :

फूल	चमकता	रंग-बिरंगे फूल
झरने	नन्हे-नन्हे	———
बच्चे	रंग-बिरंगे	———
सूरज	तेज	———
हवा के झोंके	ठंडे मीठे	———

एक और अनेक :

२. निम्नलिखित उदाहरणों को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दो :

क)	नन्हा बच्चा	-	नन्हे बच्चे
	हवा का झोंका	-	हवा के झोंके
	ठंडा मीठा झरना	-	ठंडे मीठे झरने
	मीठा सपना	-	———
	नाटा लड़का	-	———
	पका केला	-	———
	पुराना पंखा	-	———
	पीला पपीता	-	———

ख) बाधा - बाधाएँ

लता - ________

माला - ________

शाखा - ________

________ - दवाएँ

________ - कविताएँ

घेरा लगाओ

३. सही शब्द पर घेरा लगाओ :

क) हम बाधाओं से बढ़ते ही जाएँगे / टकराएँगे ।

ख) हम सागर की लहरों से टकराएँगे / घुलमिल जाएँगे ।

ग) हम सूरज बनकर दुनिया का अंधकार / दु:ख मिटाएँगे ।

घ) हम रंग-बिरंगे फूल बने पराग / खुशबू फैलाएँगे ।

४. इन शब्दों के अर्थ लिखो : -

नन्हा - ____________

बाधा - ____________

सागर - ____________

हवा - ____________

खुशबू - ____________

हम जान गए :

हम जानते हैं कि 'अ' से 'औ' तक स्वर वर्ण है ।

और 'क' से 'ह' तक व्यंजन वर्ण ।

व्यंजन वर्ण को क, ख - ऐसे लिखना चाहिए ।

क = (क् + अ)   ख = (ख् + अ) हैं

व्यंजन वर्ण के साथ जो स्वर मिलकर आते हैं, उन्हें मात्रा कहते हैं;

जैसे क् + उ = कु, क् + ए = के, म् + ऊ = मू, म् + औ = मौ

(शिक्षक इसे समझा दें। उच्चारण करके सभी मात्राओं को सिखाएँ।)

समझो और लिखो :

१. को = क् + ओ   मि = ______   तै = ______

तू = ______   पृ = ______   यो = ______

जा = ______   गी = ______   कं = ______

रु = ______   चे = ______   प: = ______

२. 'ऊ' की मात्रा लगाकर शब्द पूरे करो :

सरज ______   रप ______

आल ______   भख ______

खब ______   पँछ ______

भप ______   चहा ______

झाड़ ______   भाल ______

अधिक बलवान कौन

52LJ5D

एक बार हवा और सूरज में बहस छिड़ गई । हवा ने सूरज से कहा- मैं तुमसे अधिक बलवान हूँ । सूरज ने हवा से कहा- मुझमें तुमसे ज़्यादा ताकत है। इतने में हवा की नज़र एक आदमी पर पड़ी। हवा ने कहा- इस तरह बहस करने से कोई फ़ायदा नहीं है। जो इस आदमी का कोट उतरवा दे, वही ज्यादा बलवान है।

सूरज हवा की बात मान गया। उसने कहा- ठीक है। दिखाओ अपनी ताकत।

हवा ने अपनी ताकत दिखानी शुरू की। आदमी की टोपी उड़ गई। पर कोट उसने अपने दोनों हाथों से शरीर से लपेटे रखा और जल्दी-जल्दी कोट के बटन बंद कर लिए ।

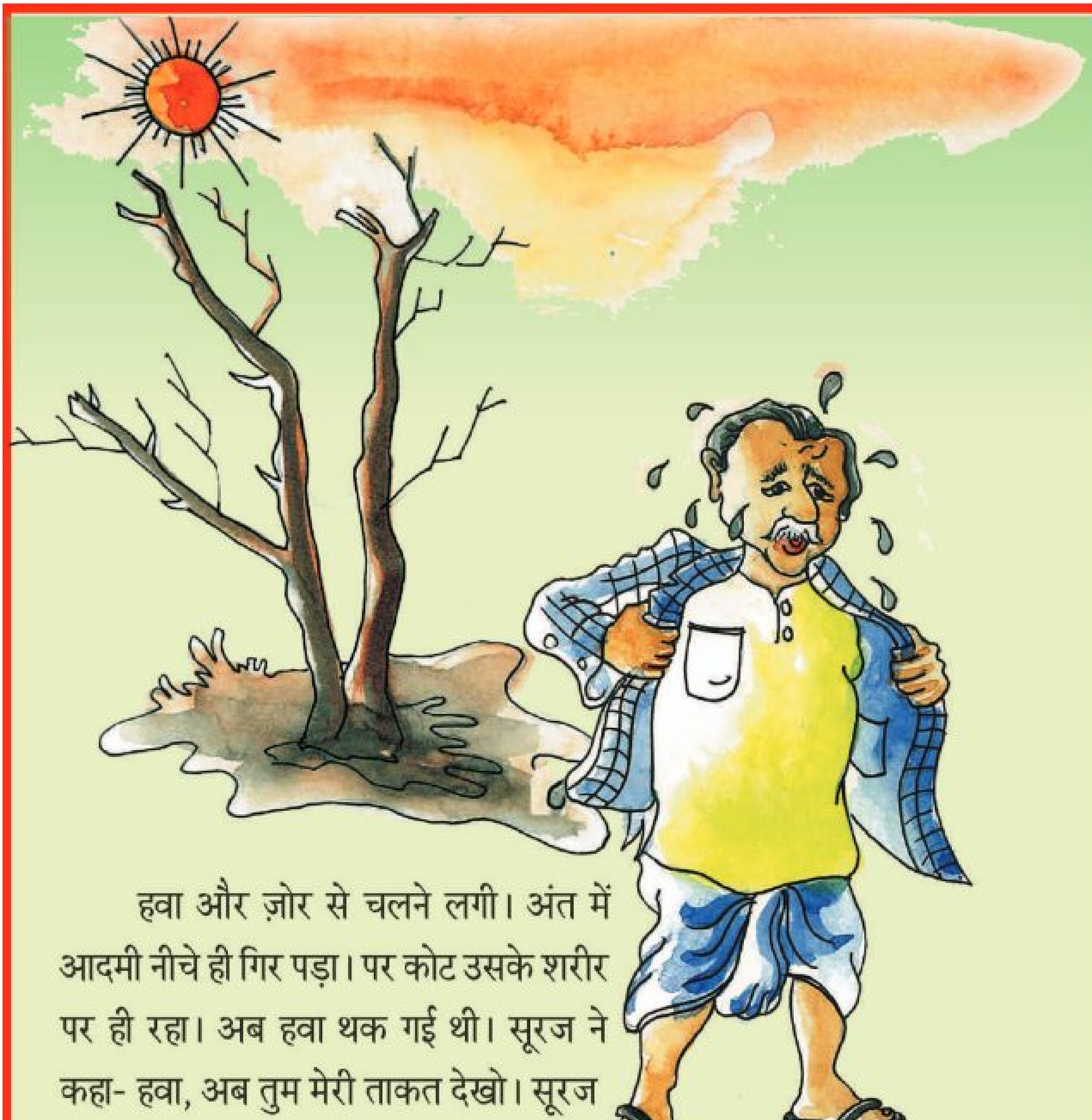

हवा और ज़ोर से चलने लगी। अंत में आदमी नीचे ही गिर पड़ा। पर कोट उसके शरीर पर ही रहा। अब हवा थक गई थी। सूरज ने कहा- हवा, अब तुम मेरी ताकत देखो। सूरज तपने लगा। आदमी ने कोट के बटन खोल दिए। सूरज की गर्मी और बढ़ी। आदमी ने कोट उतार दिया और उसे हाथ में ले कर चलने लगा।

सूरज ने कहा- देखी मेरी ताकत ? उतरवा दिया न कोट ? हवा ने सूरज को नमस्कार किया और कहा- मान गई तुम्हारी ताकत को ।

शब्द-अर्थ :

बहस - तर्क
छिड़ गई - आरंभ हो गई
सूरज - सूर्य
ज्यादा - अधिक
ताकत - शक्ति
नज़र - दृष्टि
फ़ायदा - लाभ
बलवान - ताकतवर
शुरू - आरंभ
जल्दी - शीघ्र
नमस्कार - प्रणाम

अभ्यास

सोचो और बताओ :

१. किस-किस में बहस छिड़ गई ?

२. हवा की नजर किस पर पड़ी ?

३. किसीको बलवान मानने के लिए क्या तय हुआ ?

४. हवा ने अपनी ताकत दिखाने के लिए क्या किया ?

५. सूरज ने अपनी ताकत दिखाने के लिए क्या किया ?

६. किसकी हार हुई ?

७. हवा ने हारकर सूरज से क्या कहा ?

सही-गलत

१. नीचे लिखे गए सही कथन पर (✓) चिह्न और गलत कथन पर (✗) चिह्न लगाओ :

क) हवा ने सूरज से कहा- मैं तुमसे अधिक बलवान हूँ।

ख) हवा में आदमी की टोपी नहीं उड़ी।

ग) आदमी ने धीरे से कोट के बटन बंद कर लिए।

घ) हवा जोर से चलने लगी, पर आदमी नीचे नहीं गिरा।

ङ) गर्मी बढ़ने से आदमी ने शरीर से कोट उतार दिया।

पहले क्या हुआ, फिर क्या हुआ :

आदमी ने कोट उतार दिया ।

आदमी नीचे गिर पड़ा ।

आदमी की टोपी उड़ गई ।

किसमें कितनी ताकत

बताओ, कौन ज़्यादा ताकतवर है ? तुम्हें ऐसा क्यों लगता है ?

- सूरज या हवा

  ________ ज़्यादा ताकतवर है ।

  क्योंकि ________________________________ ।

- हाथी या शेर

  ________ज्यादा ताकतवर लगता है।

  क्योंकि ________________________________ ।

- गर्मी या सर्दी

  ________ज्यादा ताकतवर है ।

  क्योंकि ________________________________ ।

एक शब्द के बदले दूसरा शब्द :

नीचे 'क' विभाग के शब्दों के अर्थ 'ख' विभाग में दिए गए हैं। उन्हें सजाकर लिखो :

'क'	'ख'
बहस	देह
फ़ायदा	प्रणाम
शरीर	तर्क
ताकत	लाभ
नमस्कार	शक्ति
	सत्य

शब्दों का खेल :

ह	वा	म	ह	ल

यहाँ पर छह शब्द छिपे हैं -

हवा, हम, मल, वाह, हल, महल

१. नीचे लिखे अक्षरों में छिपे आठ शब्द तुम भी ढूँढ़ो :

म	का	न	मा	लि	क

२. नीचे लिखे वाक्य में छुटी हुई मात्राओं को जोड़कर शुद्ध वाक्य लिखो :

आदम न कट क बटन खल दय ।

शब्दों में वर्ण :

शब्दों को तोड़कर उनके वर्णों को अलग-अलग किया जाता है; जैसे:

आम	=	आ + म्
राज		र् + आ + ज्
अनार		अ + न् + आ + र्
विनोद		व् + इ + न् + ओ + द्

१. निम्नलिखित शब्दों के वर्ण अलग-अलग लिखते समय कुछ वर्ण छूट गए हैं। उनको खाली स्थान पर लिखो :

ईख	ई + ____
रानी	र् + आ + ____ + ई
कृपा	क् + ऋ + प् + ____
औरत	औ + र् + अ + ____
मेला	____ + ए + ____ + आ
दिन	द् + ____ + ____

शब्द बनाना :

घेरे में से अक्षर चुनकर सही शब्द बनाओ :

स्त ण्डा म्ला ध्या थ्वी त्य क्ष्य ण्टा प्स ल्ली

व्य ____ घ ____

बि ____ ठ ____

अ ____ य   स ____

____ न   न   पृ ____

अ ____ रा   ल ____

कुछ वाक्य देखो :

सूरज तपने लगा ।

आदमी ने कोट उतार दिया ।

मोहन दूध पीता है ।

इन वाक्यों में   सूरज - एक प्राकृतिक तत्त्व का नाम है ।

आदमी - सभी आदमियों की जाति का नाम है ।

कोट - सभी कोटों की जाति का नाम है ।

मोहन - एक बालक का नाम है ।

दूध - एक वस्तु का नाम है ।

१. **नीचे कुछ शब्द दिए गए हैं। ये किनके नाम बताते हैं ?**

उदाहरण :   कमल - एक फूल का नाम । इस प्रकार के फूल समूह या जाति का नाम ।

मीरा -

फल -

हिमालय -

पहाड़ -

महिला -

कुर्सी -

कोयला -

कमला -

लकड़ी -

उदाहरण देखकर खाली जगह भरो :

बल + वान = बलवान	प्रतिभा + वान = ____
भाग्य + वान = ____	पुण्य + वान = ____
विद्या + वान = ____	मूल्य + वान = ____

क्या होता :

१. मान लो कि हवा ने सूरज से कहा- जो मिट्टी में गड़े इस तम्बू को उखाड़ दे, वह ज़्यादा ताकतवर होगा। अब आगे क्या होता, सोचकर बताओ।

२. यदि तुम्हारा दोस्त तुम्हारे साथ बहस करता है और मुकाबला करना चाहता है, तो तुम क्या करोगे ? इसे अपने पिताजी के सामने बताओ और उनकी सलाह लो ।

काले मेघा पानी दे

काले मेघा पानी दे
पानी दे गुड़धानी दे ।

बरसो खूब झमा-झम-झम
नाचें मोर छमा-छम-छम ।

खेतों से खलिहानों तक
पर्वत से मैदानों तक ।

धरती को रंग धानी दे
काले मेघा पानी दे ।

भर दे सारे ताल-तलैया
गाएँ सब मिल छम्मक-छैया ।

हमको नयी कहानी दे
सबको दाना-पानी दे ।

पानी दे ज़िंदगानी दे
काले मेघा पानी दे ।

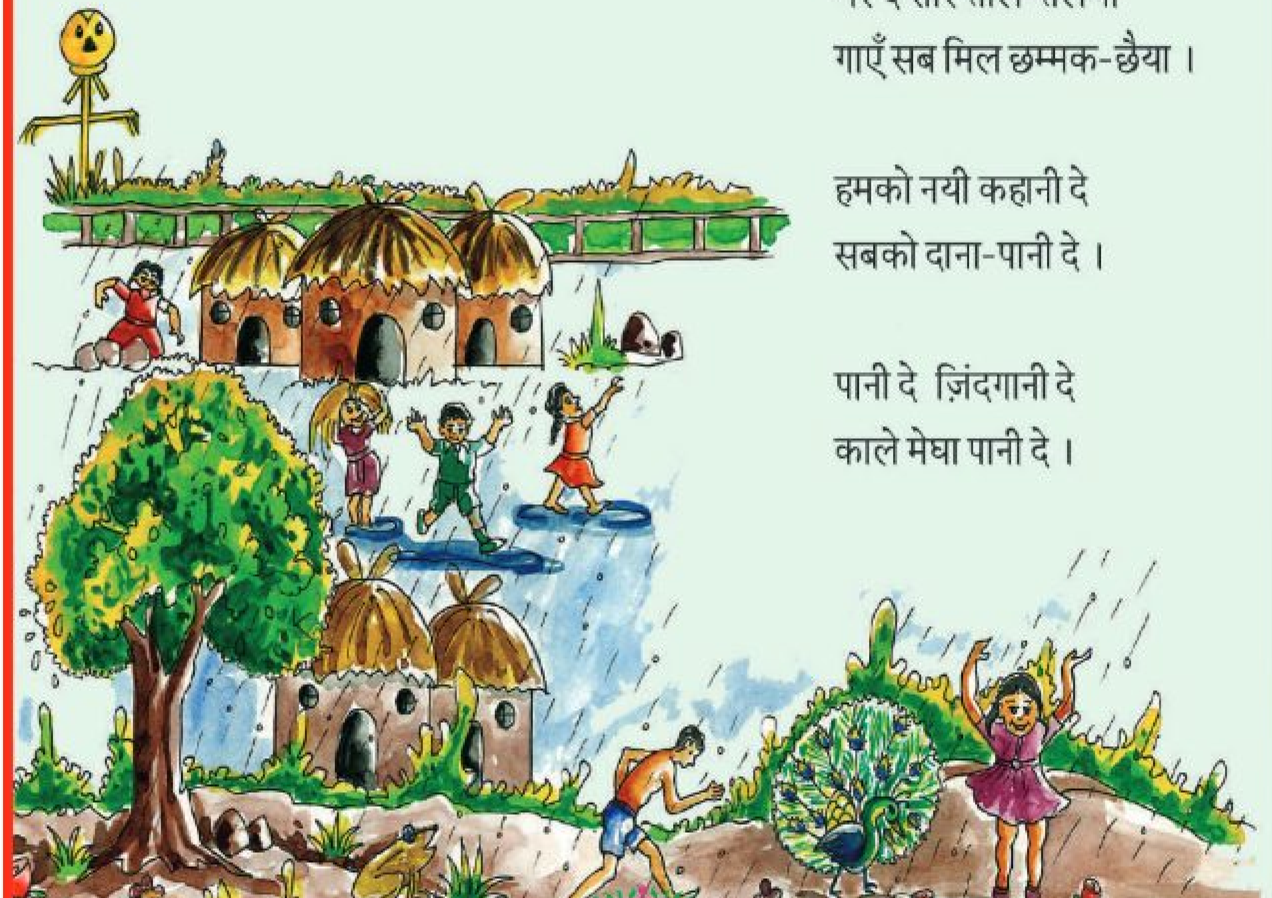

शब्द-अर्थ

मेघा - बादल

गुड़धानी - भुने हुए गेंहू और गुड़ के लड्डू

खलिहान - फसल काटकर रखने का स्थान

मैदान - समतल जमीन

धरती- पृथ्वी

धानी - हरा रंग

ताल -तालाब

तलैया - छोटा ताल

नई कहानी - नया जीवन

दाना-पानी - अन्न-जल

ज़िंदगानी - ज़िंदगी

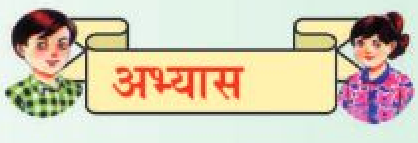

सोचो और बताओ :

१. बच्चे काले मेघों से क्या-क्या माँग रहे हैं?

२. काले मेघ देखकर मोर क्या करते हैं?

३. बच्चे मेघों से कहाँ-कहाँ हरा रंग देने का अनुरोध करते हैं?

४. बारिश होने पर धरती का रंग कैसा दिखाई पड़ता है?

५. बारिश होने से पहले तालाब कैसे रहते हैं?

६. बारिश होने पर तालाब कैसे हो जाते हैं?

७. कविता की पंक्तियाँ पूरी करो :

भर दे सारे ____________

गाएँ सब मिल ____________

हमको ____________

____________ दे।

पानी ____________

____________ पानी दे।

तुक वाले शब्द :

कविता में आए तुक वाले शब्द लिखो :

पानी - गुड़धानी

झमा-झम-झम -

तलैया -

कहानी -

खलिहान -

हमको -

तुम्हारी समझ में :

१. यदि बारिश न हो तो क्या होगा ?

२. बारिश तुम्हें क्यों अच्छी लगती है ?

३. आसमान में पानी कैसे पहुँचता है ?

शब्द बनाओ : घेरे में से अक्षर चुनकर शब्द बनाओ :

मै लै सो हा धा

_____दान त_____या गुड़_____नी

बर _____ खलि _____न

वाक्य बनाओ :

नीचे दिए गए उदाहरण के अनुसार वाक्य बनाओ :

हम गीत गाते हैं । हम गीत गाएँ ।

हम पाठ पढ़ते हैं । _____________

हम पत्र लिखते हैं। _____________

हम दूध पीते हैं। ______________

हम कहानी सुनते हैं। ______________

वे गाँव जाते हैं। ______________

तू-तुम-आप :

नीचे दिए गए उदाहरणों के अनुसार सारणी के शब्दों की सहायता से वाक्य बनाओं :

तू सबको दाना-पानी दे ।

तुम सबको दाना-पानी दो ।

आप सबको दाना-पानी दीजिए ।

तू	मोहन को	किताब	दे ।
	राधा को	कलम	
	उसको	पेन्सिल	
तुम	राकेश को	रुपये	दो ।
	गीता को	घड़ी	
	शिक्षक को	पुस्तक	
आप	छात्रों को	ज्ञान	दीजिए ।
	बच्चों को	पुरस्कार	

बिल्ली कैसे रहने आई आदमी के संग

पेट भर गया बहन। साफ़ कर लो सब ।
हाँ भैया।
लो, कुछ भी नहीं छोड़ा मेरे लिए। रोज़ यही होता है ।
एक दिन शेर बीमार पड़ा और उसका हाल पूछने बहुत से जानवर आए ।
बिल्ली ने जानवरों का स्वागत करने के लिए हर एक से बात की।
लेकिन ठीक तभी -
बहन।
नाश्ता बना कर सबको दो। जाओ, जल्दी करो!
भैया, घर में आग तो है ही नहीं।
तो जाओ आदमियों की बस्ती से सुलगती लकड़ी ले आओ। भागो!
सो बिल्ली भागी, झाड़ियों और पत्थरों को फलाँगती हुई गाँव में पहुँची।
वहाँ देखो ।

जिस काम से बिल्ली आई थी, उसे भूल कर बहुत देर तक बच्चों से लाड़ करवाती रही।
मुझे कभी किसी से इतना प्यार नहीं मिला था।
बिल्ली सोचने लगी।
अचानक, ज़ोर की गरज से जंगल काँप उठा -
गर्जन ... र र रऽऽऽ
हाय रे! मुझे सुलगती लकड़ी ले जानी थी! मैं भूल कैसे गई ?
बिल्ली एक घर में घुसी और एक सुलगती लकड़ी उठा कर झाड़ियों और पत्थरों को फलाँगती हुई भागी।

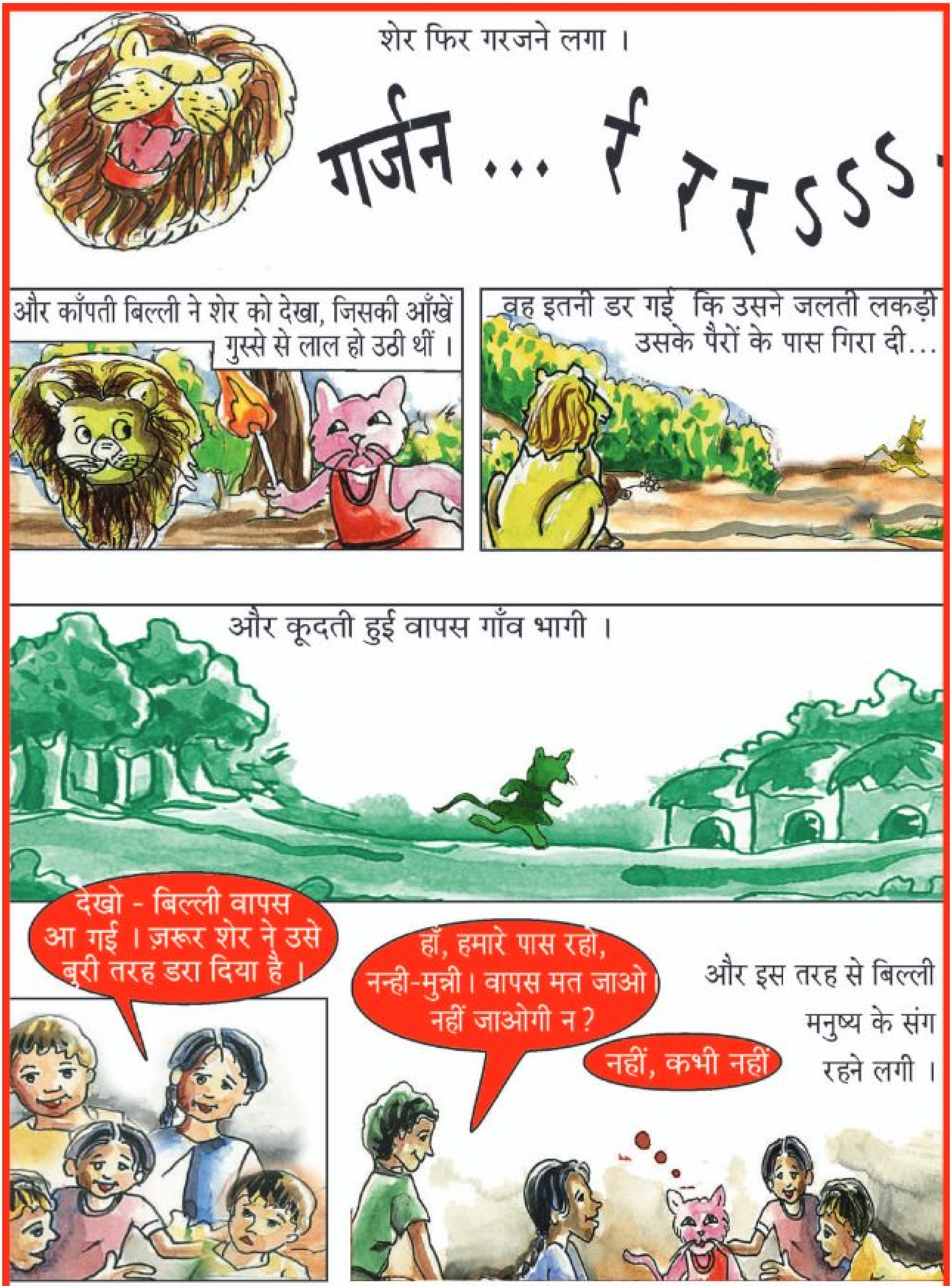
शेर फिर गरजने लगा ।
गर्जन ... र्र र र ऽऽऽ
और काँपती बिल्ली ने शेर को देखा, जिसकी आँखें गुस्से से लाल हो उठी थीं ।
वह इतनी डर गई कि उसने जलती लकड़ी उसके पैरों के पास गिरा दी...
और कूदती हुई वापस गाँव भागी ।
देखो - बिल्ली वापस आ गई । ज़रूर शेर ने उसे बुरी तरह डरा दिया है ।
हाँ, हमारे पास रहो, नन्ही-मुन्नी। वापस मत जाओ। नहीं जाओगी न ?
नहीं, कभी नहीं
और इस तरह से बिल्ली मनुष्य के संग रहने लगी ।

तितली और कली

हरी डाली पर लगी हुई थी,
नन्ही सुंदर एक कली
तितली उससे आकर बोली,
तुम लगती हो बड़ी भोली ।

अब जागो तुम आँखें खोलो,
और हमारे संग खेलो ।
फैले सुंदर महक तुम्हारी,
महके सारी गली गली ।

कली छिटककर खिली रंगीली,
खेल की बात सुनकर बोली
फिर हवा के साथ लगी भागने,
तितली छूने उसे उड़ चली ।

शब्द-अर्थ

नन्ही - छोटी

कली - न खिला हुआ फूल

भली - अच्छी, सुंदर

महक - गंध

छिटककर - फैलकर

रंगीली - सुंदर, खुश

अभ्यास

सोचो और बताओ :

१. कली कहाँ लगी हुई थी ?

२. कली कैसी थी ?

३. तितली कली के पास क्यों गई ?

४. तितली के क्या कहने पर कली खुश हो गई ?

५. खेल की बात सुनकर कली ने क्या किया ?

६. कली कैसे खिल उठी ?

७. तितली और कली ने क्या खेल खेला ?

८. अधूरे अंशों को पूरा करो :

क) फैले सुंदर _____ तुम्हारी ।

ख) तितली _____ उसे उड़ चली ।

अंदाजा लगाओ :

- तितली कली के पास कब गई होगी ?

  सुबह ☐ दोपहर ☐ शाम ☐

- तुमने तितली के जाने के समय का अंदाजा कैसे लगाया ?
- तुम अपना समय कैसे जान जाते हो ?

मिलते-जुलते शब्द :

कविता में ये शब्द आए हैं - कली, भली, गली

ये शब्द सुनने में अच्छे लगते हैं

१. नीचे दिए गए शब्दों की तरह तुम भी कुछ शब्द बनाओ :

बोलो	तितली	डाली	महक
____	____	____	____
____	____	____	____
____	____	____	____

फूल :

१. तुम अपने आस-पास के पाँच महकदार फूलों के नाम बताओ ।

२. तुम अपने आस-पास के ऐसे पाँच फूलों के नाम बताओ जिनकी कोई महक न हो ।

हरी डाल :

इस कविता में डाली का रंग हरा बताया गया है ।

१. नीचे लिखी चीजें किन-किन रंगों के हो सकते हैं ?

______ टमाटर	______ संतरा	______ मिट्टी
______ कागज	______ साग	______ केला

शब्दों का उलट फेर :

इस कविता में यह वाक्य आया है - तुम लगती हो बड़ी भोली । हम इसको गद्य-भाषा में कहेंगे - तुम बड़ी भोली लगती हो ।

१. नीचे कुछ वाक्य कविता की भाषा में दिए गए हैं । उन्हें गद्य-भाषा में लिखो :

फैले सुंदर महक तुम्हारी ।

फिर हवा के साथ लगी भागने ।

तितली छूने उसे उड़ चली ।

चन्द्रबिन्दु-अनुस्वार :

इस कविता में एक शब्द आया है - आँख

यहाँ 'आ' पर ' ँ ' (चन्द्रबिन्दु) है ।

एक शब्द आया है - सुंदर ।

यहाँ 'सु' पर ' ं ' (अनुस्वार) है ।

१. नीचे चन्द्रबिन्दु वाले और अनुस्वार वाले कुछ शब्द मिलकर आए हैं। उनकी अलग-अलग सूची बनाओ :

कलियाँ, साँप, चंदन, काँच, कंपन, चंपा, पाँच, हंस, रंग, बाँस, हंसी, वहाँ, कहाँ, कंगन, छाँह, वंश, शंका

शब्द और उनके गुण :

इस कविता में ये शब्द आए हैं - नन्ही कली,

नन्ही कली - 'नन्ही' 'कली' का आकार (एक गुण) है ।

सुन्दर महक - 'सुन्दर' 'महक' का एक गुण है ।

नीचे 'क' स्तंभ में कुछ गुण और 'ख' स्तंभ में कुछ शब्द दिए गए हैं। गुणों के साथ सही शब्द मिलाओ :

'क'	'ख'
सुंदर	छड़ी
नीला	घास
हरी	फूल
लम्बी	आकाश

तुम्हारे लिए काम :

तुम अपने आसपास के फूलों के नाम अपनी कॉपी में लिखकर रखो ।

दोस्त की मदद

किसी तालाब में एक कछुआ रहता था। तालाब के पास माँद में रहनेवाली एक लोमड़ी से उसकी दोस्ती हो गई। एक दिन वे तालाब के किनारे गपशप कर रहे थे कि एक तेंदुआ वहाँ आया। दोनों अपने-अपने घर की ओर जान बचाकर भागे। लोमड़ी तो सरपट दौड़कर अपनी माँद में पहुँच गई पर कछुआ अपनी धीमी चाल के कारण तालाब तक नहीं पहुँच सका। तेंदुआ एक छलाँग में उस तक पहुँच गया।

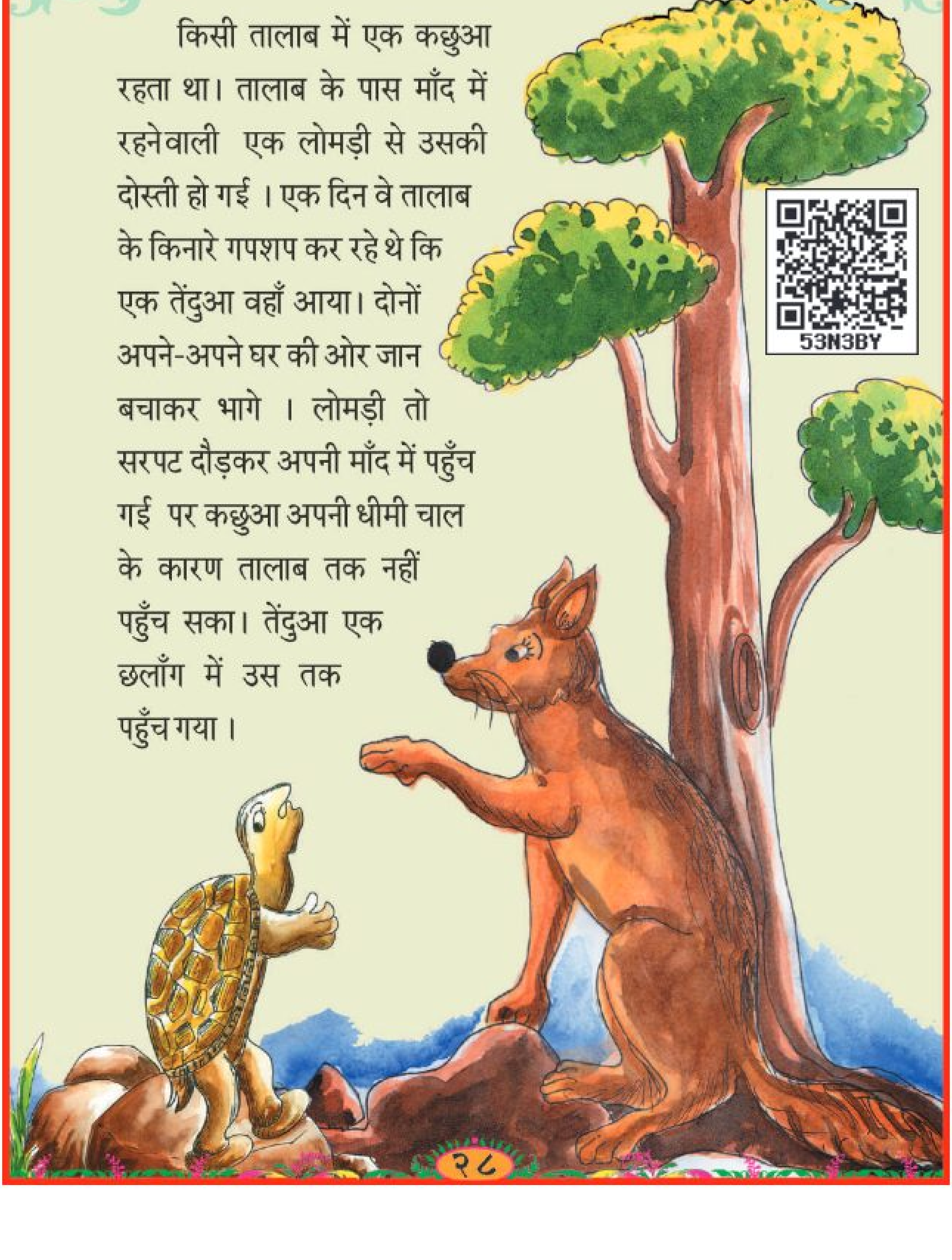

कछुए को कहीं छुपने का भी मौका न मिला। तेंदुए ने कछुए को मुँह में पकड़ा और उसे खाने के लिए एक पेड़ के नीचे ले आया। लेकिन दाँतों और नाखूनों का पूरा ज़ोर लगाने पर भी कछुए के सख्त खोल पर खरोंच तक नहीं आई । लोमड़ी अपनी माँद से यह देख रही थी । उसने कछुए को बचाने की तरकीब सोची। उसने माँद से झाँककर बाहर देखा और भोलेपन के साथ बोली- तेंदुए जी, कछुए के खोल को तोड़ने का मैं आसान तरीका बताती हूँ। इसे पानी में फेंक दो। थोड़ी देर में पानी से इसका खोल नरम हो जाएगा। चाहो तो आज़माकर देख लो!

तेंदुए ने कहा- ठीक है, अभी देख लेता हूँ ।

यह कहकर उसने कछुए को पानी में फेंक दिया। बस फिर क्या था, गया कछुआ पानी में !

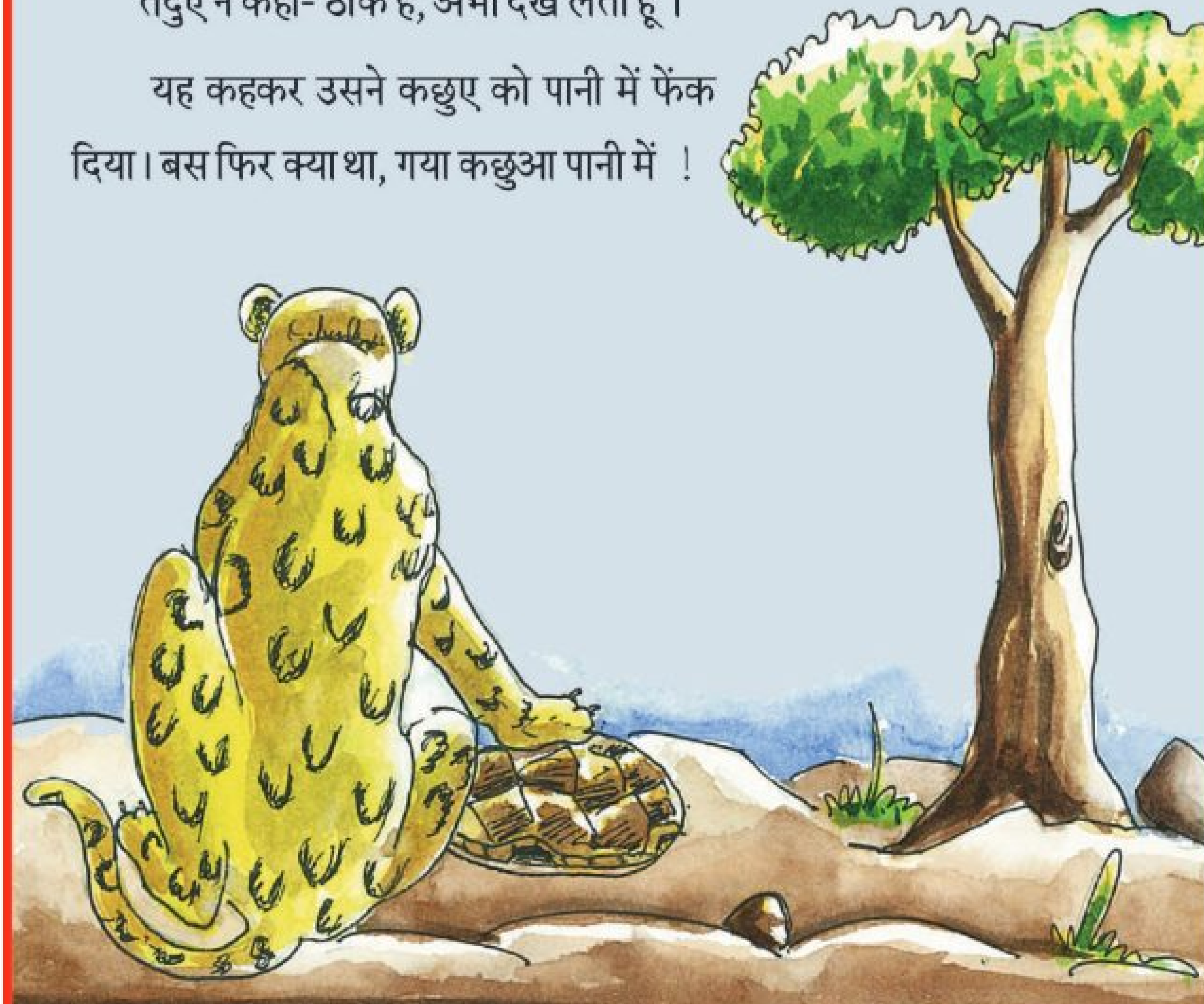

शब्द-अर्थ :

माँद - गुफा, बिल

तरकीब - उपाय

दोस्ती - मित्रता

तरीका - उपाय

गपशप - बातचीत

भोलेपन - सिधाई, सरलता

सरपट - तेज चाल से

आजमाकर - परीक्षा करके

जान बचाकर - पीछा छुड़ाकर

अभ्यास

सोचो और बताओ :

१. कछुआ कहाँ रहता था ?

२. लोमड़ी कहाँ रहती थी ?

३. तेंदुए को देखकर कछुए और लोमड़ी ने क्या किया ?

४. कछुआ तालाब तक क्यों पहुँच नहीं सका ?

५. तेंदुए ने कछुए को क्यों पकड़ लिया ?

६. लोमड़ी ने अपनी माँद से क्या देखा ?

७. तेंदुआ कछुए को क्यों खा नहीं सका ?

८. लोमड़ी ने कछुए को बचाने के लिए तेंदुए से क्या कहा ?

९. तेंदुए ने क्या मूर्खता की ?

१०. तेंदुए की इस मूर्खता से कछुए को क्या फायदा हुआ ?

शब्द बनाना :

कोष्ठक में से सही अक्षर चुनकर शब्द बनाओ :

(स्त, ल्ली , त्थ, न्ध, न्द्र, स्थ)

च ______ मा	प ______ र	दो ______
अ ______ कार	बि ______	______ ल

की तरह :

कछुआ बहुत धीरे-धीरे चलता है । इसलिए जो बहुत धीरे चलता है उसके लिए कहते हैं -

वह कछुए की तरह चलता है ।

अब बताओ, इनके लिए क्या कहेंगे -

जो तेज भागता है :	वह ______ की तरह भागता है ।
जो बहुत खाता है :	वह ______ की तरह खाता है ।
जो अच्छा तैरता है :	वह ______ की तरह तैरता है ।
जो बहुत सोता है :	वह ______ की तरह सोता है ।

सही क्रम :

शब्दों को सही क्रम में लिखो :

नभोपले, ननाखू, लाताब, रमाजआक, मलोड़ी

चाल :

बताओ, ऐसे कौन चलता है ?

फुदक-फुदक कर ________

चौकड़ी भर कर ________

छलाँग लगाकर ________

रेंग-रेंगकर ________

नरम-कड़ा :

लोमड़ी ने तेंदुए को बताया कि पानी में फेंकने से कछुए का खोल नरम हो जाएगा ।

नीचे लिखी चीजों में से कौन-कौन सी चीजें पानी में फेंकने से नरम हो जाएँगी ? सही जगह पर गोला लगाओ :

मिट्टी, गिलास, कागज, पत्थर, लकड़ी, लोहा, पापड़, प्लेट, बिस्किट, चमड़ा

तुम्हारी समझ में :

क्या होता - यदि लोमड़ी अपनी माँद में डर के मारे छिपकर रह जाती ।

कौन कहाँ रहता है :

कौन कहाँ रहता है; यह लकीर खींचकर बताओ :

लोमड़ी	घोंसला
चिड़िया	गुफा
कछुआ	राजमहल
गरीब आदमी	माँद
मधुमक्खी	दरबा
शेर	झोंपड़ी
राजा	पानी
मुर्गी	पेड़ पर
बंदर	छत्ता

ऐसे दो प्राणियों के नाम लिखो जो केवल पानी में रहते हैं ।

ऐसे दो प्राणियों के नाम लिखो जो पानी और जमीन दोनों जगहों में रहते हैं।

ऐसे दो प्राणियों के नाम लिखो जो जंगल में रहते हैं ।

ऐसे दो प्राणियों के नाम लिखो जिन्हें तुम घर में पालते हो ।

ऐसे दो प्राणियों के नाम लिखो जो अनजाने में तुम्हारे घर में रहते हैं ।

चन्द्रबिन्दु-अनुस्वार

माँद, छलाँग - इन शब्दों में चन्द्रबिन्दु आया है । तुम चन्दबिंदु लगाकर पाँच शब्द लिखो :

खरोंच, तेंदुआ - इन शब्दों में अनुस्वार आया है। तुम अनुस्वार लगाकर पाँच शब्द लिखो ।

सही-गलत

सही कथन पर (✓) और गलत कथन पर (✗) का चिह्न लगाओ :

कछुए की लोमड़ी से दोस्ती हो गई ।

तेंदुए ने लोमड़ी को पकड़ लिया ।

तेदुए ने कछुए को पकड़ लिया ।

कछुए की पीठ पर सख्त खोल होता है ।

तेंदुए ने कछुए को पानी में नहीं फेंका ।

कछुआ पानी में मर गया ।

पाठ के आधार पर खाली स्थान भरो :

(दोस्ती, मुँह में, तरकीब, खरोंच, सरपट)

लोमड़ी और कछुए में ______ हो गई ।

लोमड़ी ______ दौड़कर अपनी माँद में पहुँच गई ।

तेंदुए ने कछुए को ______ पकड़ लिया ।

लोमड़ी ने एक ______ सोची ।

कछुए के सख्त खोल पर ______ तक नहीं आई ।

तुम्हारे लिए काम :

तुम अपने दोस्त के साथ गपशप करते हो । तुम क्या-क्या गपशप करते हो, उसे लिखो ।

तारे

चमक रहे हैं नन्हे तारे
कितने सुन्दर कितने प्यारे
धरती से कितने ऊपर हैं
मोती-से बिखरे नभ पर हैं
जब मिट जाती नभ की लाली
पंछी सोते डाली-डाली
तब नभ पर तारे हैं दिखते
झिलमिल-झिलमिल खूब चमकते
एक चमकता है ध्रुव तारा
हम सब को लगता है प्यारा
तब चमकते अनगिनत तारे
नन्हे-नन्हे प्यारे-प्यारे ।

शब्द-अर्थ :

नन्हे - छोटे

धरती - जमीन

नभ - आसमान

पंछी - पक्षी

डाली - पेड़ की टहनी

अनगिनत - जिनकी गिनती न की जा सके, बहुत ज्यादा

अभ्यास

सोचो और बताओ :

१. तारे कहाँ चमकते हैं ?

२. जब तारे निकलते हैं, तब पंछी क्या करते हैं ?

३. तारे कैसे चमकते हैं ?

४. कौनसा तारा सब को प्यारा लगता है ?

तुम्हारी समझ मे :

१. ध्रुवतारा किस दिशा में निकलता है ?

२. सूरज किस दिशा में डूबता है ?

३. शाम के समय पश्चिम आकाश किस रंग का दिखाई पड़ता है ?

४. तारे आसमान में कब दिखाई देते हैं ?

५. तारे दिन के समय क्यों दिखाई नहीं देते ?

६. रात के समय क्या होने से तारे दिखाई नहीं देते ?

जोड़े मिलाओ :

ये सब कैसे हैं, जोड़े मिलाकर बताओ :

तारे	लाल
नभ	चमकता
ध्रुवतारा	रंग-बिरंगे
फूल	नन्हे-नन्हे
बच्चे	अनगिनत
	तेज

शब्दों का उलट-फेर :

कविता में है - चमक रहे हैं नन्हे तारे ।

इसे गद्य की भाषा में कहेंगे - नन्हे तारे चमक रहे हैं ।

१. तुम नीचे दी गई कविता की भाषा को गद्य की भाषा में बदलो :

क) पंछी सोते डाली-डाली

ख) एक चमकता है ध्रुव तारा

ग) हम सब को लगता है प्यारा

तुकवाले शब्दों को जोड़ो :

प्यारे, डाली, चमकते, लाली, प्यारा, तारे, तारा, दिखते

कविता पूरी करो :

इन पंक्तियों की खाली जगहों को भरो :

चमक रहे हैं ....

.... कितने प्यारे

धरती से कितने ....

.... नभ पर हैं ।

कौन क्या करता है, लिखो :

तारे	सरसराती है
साँप	दहाड़ता है
आँख	चमकते हैं
हवा	फुफकारता है
शेर	फहरता है
झण्डा	फड़कती है
	खनखनाती है ।

तुम्हारे लिए काम :

तुम एक चित्र बनाओ, जिसमें चाँद और तारे हों ।

सबसे अच्छा कौन

एक दिन सम्राट अकबर चाँदनी महल में अपने नवरत्नों के साथ बैठे हुए थे। उन्होंने पूछा, ''फूल कौन सा अच्छा? दूध किसका अच्छा? मिठास किसकी अच्छी? पत्ता किसका अच्छा और राजा कौन अच्छा?''

किसी ने कहा कि गुलाब का फूल सबसे अच्छा होता है, तो किसी ने कहा कमल का। किसी की नज़र में गाय का दूध अच्छा था, तो किसी के विचार से बकरी का। कुछ गन्ने की मिठास को पसन्द करते थे तो कुछ को शहद सबसे मीठा लगता था। किसी ने केले के पत्ते का गुणगान किया, तो किसी ने नीम के पत्ते का। राजा के बारे में भी लोगों की अलग–अलग राय थी। एक दो ने तो शहंशाह अकबर की महिमा का ही बख़ान कर डाला।

546UF9

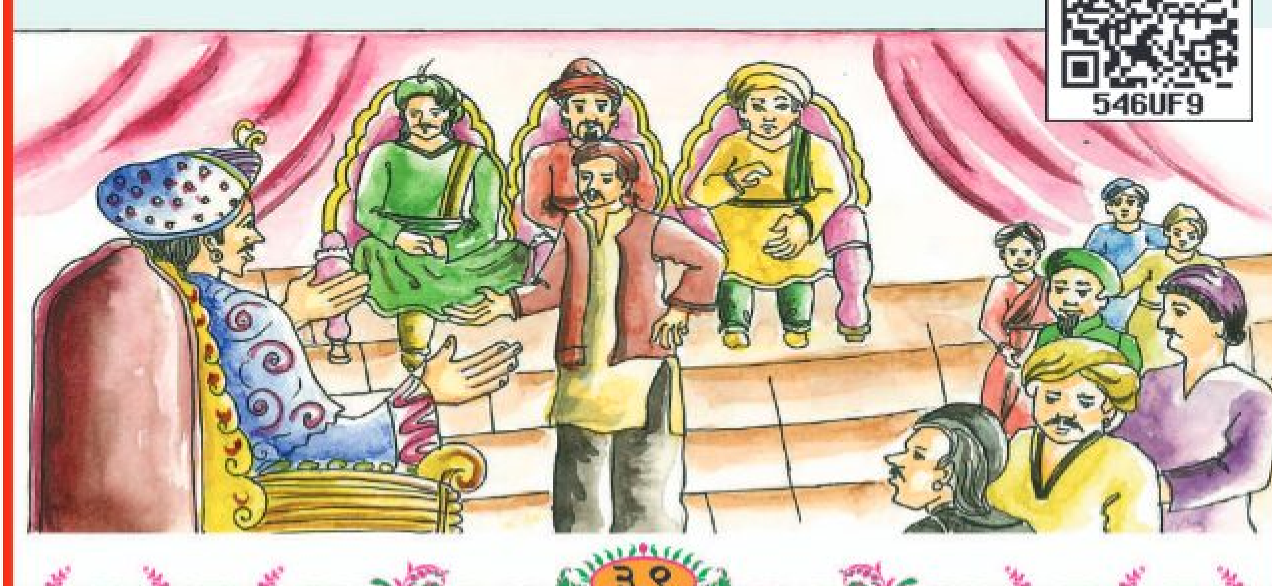

सम्राट अकबर को ये सब ज़वाब अच्छे लगे। लेकिन बीरबल अभी तक चुप थे। सम्राट अकबर ने उनसे अपनी राय देने को कहा। बीरबल ने उत्तर दिया, ''आलमपनाह! फूल कपास का उत्तम होता है। उसी से हम सबको तन ढकने के लिए कपड़ा मिलता है। दूध माँ का अच्छा होता है। उसे पीकर बच्चा फलता-फूलता है। मिठास ज़बान की अच्छी होती है। पत्ता पान का सबसे बढ़िया होता है। उसे पेश करने पर दुश्मन को भी दोस्त बना लिया जाता है। पान का बीड़ा उठाने पर हर आदमी ईमानदारी से अपना वचन निभाता है और आलमपनाह, सबसे अच्छे राजा इन्द्र हैं। इन्द्र की कृपा से ही आकाश से अमृत बरसता है।''

सभी लोग बीरबल की योग्यता का लोहा मान गए। सम्राट अकबर तो बहुत ही प्रसन्न हुए।

शब्द-अर्थ :

मिठास - मीठापन

नवरत्न - नौ रत्न (सम्राट अकबर के नौ मन्त्री)

नजर - दृष्टि

विचार - राय, ख्याल

गुणगान - अच्छाइयों को बढ़ाचढ़ाकर बताना

शहंशाह - सम्राट, राजाओं के राजा

महिमा - बड़प्पन

बखान - वर्णन

जवाब - उत्तर

आलमपनाह - बादशाह के लिए संबोधन

ज़बान - जीभ, वाणी

इमानदारी - सच्चाई

वचन निभाना - कही हुई बात पूरी करना

पेश करना - देना

कृपा - मेहरबानी

दुश्मन - शत्रु

दोस्त - मित्र

अमृत - जल , सुधा

योग्यता - सामर्थ्य

प्रसन्न - खुश

लोहा मानना - स्वीकार करना, हार मानना

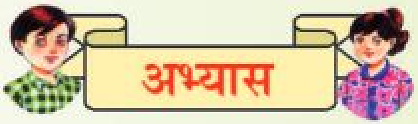

सोचो और बताओ :

१. सम्राट अकबर चाँदनी महल में किनके साथ बैठे थे ?

२. उन्होंने नवरत्नों से कितने प्रश्न पूछे ?

३. उन्होंने किस-किस फूल को अच्छा बताया ?

४. उन्होंने किस-किस के दूध को अच्छा बताया ?

५. उन्होंने किस-किस को सबसे मीठा बताया ?

६. उन्होंने किस-किस के पत्ते का गुणगान किया ?

७. बीरबल के विचार से किसका फूल उत्तम था और क्यों ?

८. बीरबल के विचार से पान का पत्ता बढ़िया क्यों था ?

९. बीरबल ने राजा इन्द्र को सबसे अच्छा राजा क्यों बताया ?

१० केवल हाँ या नहीं में उत्तर दो :

क) बीरबल की राय में कमल का फूल सबसे अच्छा था।

ख) पान का पत्ता दोस्त को भी दुश्मन बना सकता है ।

ग) माँ का दूध पीकर बच्चा फलता-फूलता है।

घ) बीरबल के विचार से ज़बान की मिठास अच्छी होती है ।

शब्द-ज्ञान :

भीतर के गोले से और बाहर के खानों से अक्षर लेकर शब्द बनाओ :

अलग शब्द को चुनकर लिखो :

दुश्मन, दुर्जन, चश्मा, करिश्मा __________

इन्द्र, चन्द्र, चन्दन, मन्द्र __________

इच्छा, साधुता, स्वच्छता, अच्छाई __________

समानार्थक शब्दों को लकीर खींचकर जोड़ो :

पेश करना	पानी बरसना
वचन निभाना	सुख पूर्वक बढ़ना
लोहा मानना	कही हुई बात पूरी करना
अमृत बरसना	देना
फलना-फूलना	हार मानना

नीचे दिए गए शब्दों को तीन-तीन बार लिखो :

चाँदनी ______ ______ ______

शहंशाह ______ ______ ______

दुश्मन ______ ______ ______

सम्राट ______ ______ ______

नीचे लिखे शब्दों को पढ़ो :

कमल का फूल

गाय का दूध

नीम का पत्ता

महिमा का बखान

पान का बीड़ा

पत्ते का गुणगान

फुल, दूध, पत्ता, बखान, बीड़ा - ये शब्द पुंलिंग शब्द हैं ।

संबंध दिखाने के लिए इनके पहले 'का' लगता है ।

तुम अब सारणी से वाक्य बनाओ :

मोहन		छाता
मकान		दरवाजा
प्रश्न		उत्तर
रानी	का	भाई
पान		पत्ता
माँ		दूध

नीचे लिखे शब्दों को पढ़ो :

शहद की मिठास

लोगों की राय

किसी की नजर

इन्द्र की कृपा

बीरबल की योग्यता

मिठास, राय, नजर, कृपा, योग्यता - ये शब्द स्त्रीलिंग शब्द हैं। संबंध दिखाने के लिए इनके पहले 'की' लगती है। तुम अब सारणी से वाक्य बनाओ:

राजू		कलम
घर		खिड़की
अनीता	की	कुर्सी
घोड़े		पूँछ
राज्य		राजधानी
सड़क		सफाई

तुम्हारे लिए काम :

अकबर-बीरबल की अन्य कहानियों का संग्रह करके दोस्तों को सुनाओ।

किसान

54FQGH

बच्चा - नहीं खाऊँगा नहीं पीऊँगा
करूँगा मनमानी
माँ - नहीं खाएगा बेटा अगर तू
सुन चुका कहानी ।

गरजे बादल कड़के बिजली
झमाझम बरसे पानी
कहो कौन जो निकले बाहर
किसकी करे निगरानी

पौ फटते ही निकल चले जो
लेकर अपने साथी
गरमी सरदी बारिश आँधी
कहो क्या बिगाड़ पातीं ।

बच्चा - यह है हमारा किसान भैया
कड़ी मेहनत करता
सभी के लिए अन्न जुटाता
जग का जीवन-दाता ।

शब्द-अर्थ :

मनमानी - मन के अनुसार

निगरानी - ध्यान

पौ फटना - भोर होना

मेहनत - परिश्रम

जीवन-दाता - जीवन देनेवाला

अभ्यास

सोचो और बताओ :

१. बेटा माँ से क्या कह रहा है ?

२. किसान किस समय बाहर निकल पड़ता है ?

३. वह किसकी निगरानी करता है ?

४. किसान किसे लेकर चल पड़ता है ?

५. कौन किसान का कुछ बिगाड़ नहीं पाती ?

६. किसान के बारे में बच्चे ने क्या बताया ?

खाली स्थान भरना :

छूटे हुए पदों को पूरा करो :

______ बादल ______ बिजली

______ ______ पानी

कहो ______ जो ______ बाहर

______ ______ निगरानी ।

सही-गलत :

१. नीचे लिखे गए वाक्यों में जो सही हैं उनके सामने (✓) चिह्न और जो गलत हैं उनके सामने (✗) चिह्न लगाओ :

क) बादल गरजते रहने पर भी किसान बाहर निकलता है ।

ख) बेटे ने माँ से कहा कि मैं अब खाऊँगा ।

ग) किसान काम न करके भी आराम से रहता है ।

घ) किसान सभी को दूध जुटाता है ।

ङ) किसान आँधी से डरता है ।

र का व्यंजन रूप :

क् + र = क्र ______ क्रम

प् + र = प्र ______ प्राण

ह् + र = ह्र ______ ह्रास

र् + द = र्द ______ सर्दी

र् + र = र्र ______ गुर्राना

र् + ण = र्ण ______ वर्ण

ट् + र = ट्र ______ ट्रक

ड् + र = ड्र ______ ड्रामा

छ् + र = छ्र ______ कृच्छ्र

निम्नलिखित वर्णों को जोड़ो और शब्द बनाओ :

प् + र   श् + र   र् + प

ट् + र   ह् + र

बताओ :

किसान के साथी - हल-बैल

बढ़ई के साथी -

जुलाहा के साथी -

कुम्हार के साथी -

लुहार के साथी -

तुम्हारे लिए काम :

- किसान और खेती से संबंधित चित्रों का संग्रह करो और उनके नीचे एक-दो वाक्यों में उनका परिचय दो ।
- बैल किसान के साथी हैं ? और कौन-कौन उसका साथी हो सकते हैं ? शिक्षक से पूछकर जानकारी लो।

पेड़-पौधे

मोहन के एक चाचा हैं हरिश्चन्द्र। वे वन विभाग में काम करते हैं। एक बार वे घर आए। साथ में छोटे-छोटे पौधों की एक टोकरी लाए थे। उसमें गमले भी थे। हर गमले में दस-दस सागौन के पौधे थे। मोहन ने एक गमला अपने पास रख लिया। चाचा ने कहा - ''देखो बेटे, इन पौधों को बचाना । बरसात में इनको निकाल कर अलग-अलग लगा देना। मोहन बहुत खुश था । वह सुबह उठकर आँगन की तरफ भागता। पौधों को देखता। खुश होता। उसकी दीदी रानी भी आ जाती। मोहन रानी को दिखाता - देखो दीदी, इन पौधों में कैसे होड़ लगी है। इनके पत्तों की कैसी ललाई: वाह देखो तो ! रानी और मोहन मिलकर सोचने लगे। इन पौधों को कहाँ-कहाँ लगाया जाए। रानी ने घर के

बाग में ही दो पौधों के लिए जगह बनाई । एक में वह पौधा लगाएगी। दूसरे में मोहन लगाएगा। देखेंगे किसका पौधा जल्दी पेड़ बनता है।

मोहन ने दीदी से पूछा - इन पेड़ो को लगाने से क्या फायदा है? लोग तो जंगल काट कर साफ कर देते हैं। रानी ने बताया - यही तो सर्वनाश का कारण है। जानते हो मोहन, पेड़ विषैली हवा को खींच कर ऑक्सीजन छोड़ते हैं। हम साँस में उसे लेते हैं। जंगल-पहाड़ होते हैं तो मेघ उन पर बैठते हैं। पानी बरसाते हैं ।

मोहन बोला - अच्छा ! तब तो जंगल काटने से धरती रेगिस्तान बन जाएगी!

रानी ने कहा - हाँ, हमारे स्कूल में इस पर चर्चा हुई है। प्रिंसिपल ने उस दिन कहा - पेड़ ही जीवन है । पेड़ लगाओ ।

मोहन ने कहा - हाँ दीदी, चाची भी यही कहती हैं । पेडों में पत्ते, फूल और फल सब बड़े सुंदर लगते हैं। जड़ी-बूटियों, पत्तियों से दवा बनती है।

दोनों सभी पौधों को लगाते गए । पेड़ बड़े होते गए ।

शब्द-अर्थ :

गमला - फूलों आदि के पौधे लगाने का बरतन

बरसात - वर्षा ऋतु

होड़ - प्रतियोगिता

ललाई - लालिमा

बाग - बगीचा

जंगल - वन

सर्वनाश - तबाही, ध्वंस

विषैली - विष से भरी

ऑक्सीजन - स्वच्छ वायु, प्राण वायु

धरती - पृथ्वी

रेगिस्तान - मरुस्थल

प्रिंसिपल - अध्यक्ष

अभ्यास

सोचो और बताओ :

१. मोहन के चाचा का नाम क्या था ?

२. मोहन के चाचा टोकरी में क्या लाए थे ?

३. चाचा ने पौधों के बारे में बच्चों से क्या कहा ?

४. मोहन अपनी दीदी से पौधों के बारे में क्या कहता है ?

५. रानी ने दो पौधों के लिए कहाँ जगह बनाई ?

६. मोहन ने क्यों कहा कि पेड़ लगाने से फायदा नहीं है ?

७. रानी ने पेड़ों के क्या-क्या फायदे बताए ?

८. रानी के स्कूल के प्रिंसिपल ने क्या कहा था ?

९. मोहन की चाची पेड़ों के बारे में क्या कहती थी ?

खाली जगह :

१. नीचे लिखे गए वाक्यों की खाली जगहें भरो :

क) हरिश्चन्द्र मोहन के _______ हैं।

ख) हर गमले में _______ सागौन के पौधे थे।

ग) लोग तो _______ काटकर साफ कर देते हैं।

घ) पेड़ विषैली हवा को खींच कर _______ छोड़ते हैं।

ङ) जंगल काटने से धरती _______ बन जाएगी।

सही-गलत :

१. नीचे लिखे गए कथनो में से सही कथन पर (✓) चिह्न और गलत कथन पर (✗) चिह्न लगाओ :

क) मोहन के चाचा शिक्षा विभाग में काम करते थे।

ख) मोहन ने दो गमले अपने पास रख लिए।

ग) हम साँस में विषैली हवा लेते हैं।

घ) पेडों की जड़ी-बूटियों, पत्तों से दवा बनती है।

ङ) प्रिन्सिपल ने कहा - पेड़ ही जीवन है।

अक्षर सजाना :

नीचे 'ब' और 'व' वाले अक्षरों से युक्त कुछ शब्द मिलाकर दिए गए हैं। उनको अलग-अलग **लिखो :**

वन, विभाग, बार, बेटे, बचाना, बरसात, सुबह, वाह, बाग, बनाना, सर्वनाश, विषैला, हवा, बरसना, तब, जीवन, दवा, बड़ा, वीणा, विकास, बुद्धि, बीज, बूढ़ा, बालक, केवल, वायु, वर्षा

पढ़ो, समझो और लिखो :

वन + विभाग = वन विभाग

रक्षा + विभाग =

वित्त + विभाग =

पुलिस + विभाग =

ड - ढ/ ड़ - ढ़

नीचे लिखे शब्दों को देखो :

डर, डिब्बा, डाली, डमरू, डोर

ढेर, ढाल, ढाई, ढोर, ढलना

'ड' और 'ढ' शब्द के पहले आते हैं।

ये शब्द देखो :

लड़का, गाड़ी, पेड़, जोड़ना, चिड़िया

बाढ़, रीढ़, बढ़ई, चढ़ाई, गढ़ना

'ड़' और 'ढ़' शब्द के पहले नहीं आते। वे शब्द के बीच में या अंत में आते हैं।

नीचे लिखे शब्दों की खाली जगहें भरो :

ल ____ ई (डा / ड़ा)

हो ____ (ड / ड़)

____ ल (ढो / ढ़ो)

ब ____ (डा / ड़ा)

क ____ (ढी / ढ़ी)

लिंग बदलो :

चाचा - चाची

बच्चा -

लड़का -

पोता -

मामा -

बकरा -

वचन बदलो :

जड़ीबूटी - जड़ी-बूटियाँ
नदी -
नीति -
लड़की -
मूर्ति -
जाति -

वाक्य बनाना : नीचे दी गई तालिका से वाक्य बनाओ :

मोहन		एक गमला	रख लिया ।
रानी		पपीता	खाया ।
मोहन	ने	पेड़	लगाया ।
मोहन		रोटी	खाई ।
उसने	ने	लकीर	खींची ।
रानी		पौधों के लिए जगह	बनाई ।

तुम्हारे लिए काम :

तुम एक पौधा अपने बगीचे में लगाकर उसमें पानी दो, उसकी देखभाल करो। देखो क्या होता है ।

कौन

5CFHB2

चमचम सूरज झिलमिल तारे
सुन्दर चाँद का टुकड़ा
सागर सरिता पर्वत सुन्दर
सुन्दर फूल का मुखड़ा ।

आसमान औ उड़ते पंछी
कितने अच्छे लगते
खेत खलिहान हवा वन बाग
झरने मन मोह लेते ।

खूब बरसते काले बादल
कहाँ से लाते पानी
कहाँ से आती बिजली रानी
खेलती आँख मिचौनी ।

इनके पीछे कहो कौन है
किसका राज माँ चलता
गड़बड़ कर दे कोई रंच भर
कौन सयाना डाँटता ।

शब्द-अर्थ :

चमचम - चमकता हुआ

मुखड़ा - मुँह

गड़बड़ करना - ऊटपटाँग करना, विशृंखल करना

बादल - मेघ

सयाना - समझदार, वयस्क

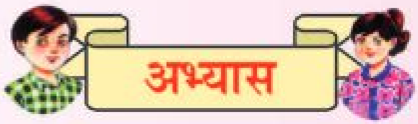

सोचो और बताओ :

१. सूरज कैसे दिखाई पड़ता है ?

२. तारे कैसे दिखाई पड़ते हैं ?

३. कौन-कौन अच्छे लगते हैं ?

४. कौन पानी बरसता है ?

५. कौन आँख-मिचौनी खेलती है ?

६. बच्चा माँ से क्या पूछता है ?

७. खाली जगह भरो :

खूब बरसते ______ ______

कहाँ ______ ______ पानी

______ आती ______ रानी

खेलती ______ ______ ।

सही-गलत :

१. नीचे लिखे कथनों में जो सही हैं उनके सामने (✓) चिह्न और जो गलत हैं उनके सामने (✗) चिह्न लगाओ :

क) तारे झिलमिला करते हैं ।

ख) नीला बादल बरसता है ।

ग) हवा आँख मिचौनी खेलती है ।

घ) गड़बड़ करने से सयाना डाँटता है ।

तुम्हारी समझ में :

१. बच्चा इस अनजान सयाने को नहीं जान पाता। क्या तुम अनुमान लगा सकते हो कि वह अनजान सयाना कौन हुआ होगा ?

२. सयाना गड़बड़ करने से डाँटता है । क्या इसका एक उदाहरण दे सकोगे ?

३. बादल में पानी कहाँ से आता है ? शिक्षक से पूछकर पता करो ।

पढ़ो, समझो और लिखो :

उदाहरण : कहाँ से आती बिजली रानी ?

बिजली रानी कहाँ से आती (है) ?

क) मेरे पास है एक कलम

____

ख) भाग गयी बिल्ली ।

____

ग) यह है एक पुस्तक ।

____

घ) तुम पढ़ोगे कब तक ?

____

अगर ऐसा हो -

- अगर सूरज न हो तो क्या होगा ?
- अगर हवा न हो तो क्या होगा ?
- अगर बादल न हो तो क्या होगा ?

वाक्य बनाना :

नीचे लिखे शब्दों को वाक्यों में प्रयोग करो ।

सुन्दर, सूरज, चाँद, आसमान, खलिहान, बादल, बिजली

तुम्हारे लिए काम :

क्या तुम्हें कोई डाँटता है ?

तुम पर कब-कब डाँट पड़ी, उसके पाँच उदाहरण लिखो।

तुम्हें अपना व्यवहार कैसा बनाना है, लिखो ।

एकता में बल है

किसी समय गोदावरी नदी के तट पर एक बड़ा झंडूले सेमल का पेड़ था। वहाँ बहुत-सी चिड़ियाँ रहती थीं। उनके घोंसले डालियों से झूलते थे। सुबह-शाम चिड़ियों की काकली सुनाई देती थी। कभी-कभी बहेलिये पंछियों को पकड़ने ऐसी जगहों पर पहुँचते हैं। वे जाल बिछाते हैं, फंदे लगाते हैं और पक्षियों को पकड़ लेते हैं। लेकिन चालाक पक्षी इनसे दूर रहते है ।

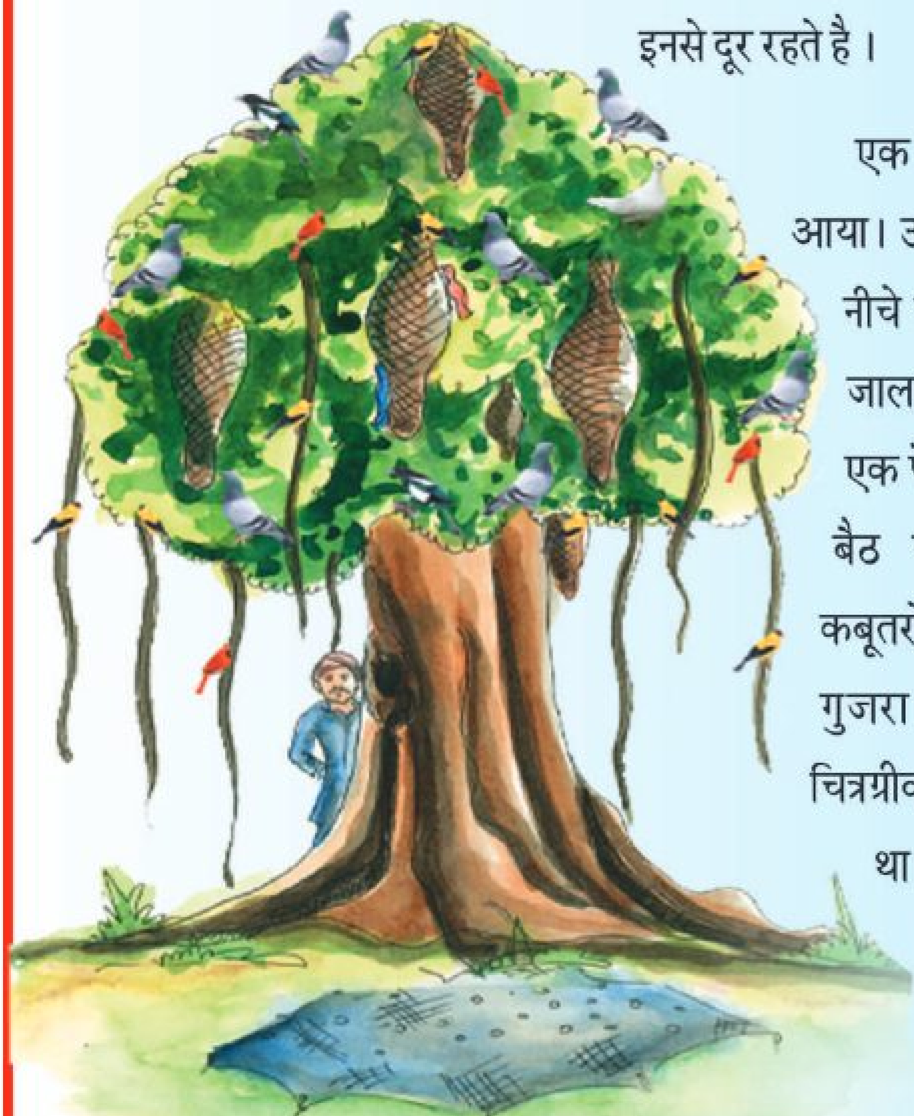

एक दिन वहाँ एक बहेलिया आया। उसने उस सेमल पेड़ के नीचे चावल के दाने बिछाए। जाल फैला दिया। पास के एक पेड़ की ओट में छिप कर बैठ गया। कुछ देर बाद कबूतरों का एक झुण्ड उधर से गुजरा। उसका नेता था चित्रग्रीव। वह बहुत चालाक था। लेकिन दूसरे कबूतर बेवकूफ और लालची थे। उन्होंने चावल के दानों को देखा।

मना करने पर भी नहीं माने। सर्र सर्र करके नीचे उतर पड़े। चावल खाने लगे। बहेलिये ने जाल की रस्सी खींच दी। सब फँस गए। पंख फड़फड़ाने लगे। सबके सब चिल्लाने लगे - बचाओ! बचाओ !

चित्रग्रीव ने कहा - देखो, बिना सोचे काम करने से ऐसा होता है। जल्दी का काम शैतान का। खैर, तुम सब लोग एक साथ जाल को लेकर उड़ो। फौरन कबूतर जाल के साथ ही आसमान में उड़ने लगे। वे एक पेड़ के पास पहुँचे। उनको दूसरे पंछियों ने देखा तो हाय-हाय करने लगे।

पेड़ के नीचे बिल में एक चूहा रहता था। वह चित्रग्रीव का पुराना दोस्त था। चित्रग्रीव ने उसे पास बुलाया। मदद माँगी। चूहे ने अपने पैने दाँतों से जाल काट दिया। सारे कबूतर फड़फड़ करके आसमान में उड़ गए। आँखों से ओझल हो गए।

सब ने मिलकर काम किया। आफत से बच गए।

शब्द-अर्थ :

पक्षी - चिड़िया

तट - किनारा

झंडूला - घनी पत्तियों वाला

घोंसले - चिड़िया रहने की जगह

काकली - चिड़ियों की मीठी आवाज

बहेलिया - शिकारी, चिड़ीमार

बेबकूफ - मूर्ख

लालची - लोभी

जल्दी का काम शैतान का - जल्दबाजी से काम करने से काम बिगड़ जाता है

आसमान - आकाश

हाय-हाय करने लगे - दु:खी हुए

मदद - सहायता

पैने - नुकीले

अभ्यास

सोचो और बताओ :

१. सेमल का पेड़ कहाँ था ?

२. ऐसी जगहों पर बहेलिये पहुँचकर क्या करते हैं ?

३. कैसे पक्षी बहेलियों से दूर रहते हैं ?

४. बहेलिये ने उस सेमल पेड़ के नीचे क्या किया ?

५. चावल के दाने देखकर कबूतरों के झुण्ड ने क्या किया ?

६. दूसरे कबूतर जाल में कैसे फँसे ?

७. कबूतरों को जाल में फँसते हुए देखकर चित्रग्रीव ने क्या आदेश दिया ?

८. कबूतर कैसे जाल से निकले ?

९. खाली जगह भरो:

(लालची, चित्रग्रीव, चूहे, चालाक, चावल)

१. _____ पक्षी उन बहेलियों से दूर रहते हैं ।

२. दूसरे कबूतर बेवकूफ और _____ थे ।

३. बहेलिये ने उस सेमल पेड़ के नीचे _____ के दाने बिछाए।

४. कबूतरों के झुण्ड का नेता _____ था ।

५. _____ ने अपने पैने दाँतों से जाल काट दिया ।

मिलान :

नीचे लिखे 'क' विभाग के शब्दों को 'ख' विभाग के शब्दों से मिलान करो :

'क'	'ख'
बड़ा	कबूतर
चालाक	दाँत
बेवकूफ	दोस्त
पुराना	पक्षी
पैने	निगाह
	पेड़

किसने कहा :

क) जल्दी का काम शैतान का ।

ख) बचाओ ! बचाओ !

अनेक से एक :

उदाहरण के अनुसार परिवर्तन करो :

उनके घोंसले झूलते थे । — उसका घोंसला झूलता था ।

वे जाल बिछाते हैं । — ________________ ।

चालाक पक्षी उनसे दूर रहते हैं । — ________________ ।

कबूतर चिल्लाने लगे । — ________________ ।

वे एक पेड़ के पास पहुँचे । — ________________ ।

विलोम शब्द लिखो :

चालाक - ____________

सुबह - ____________

कठिन - ____________

सुख - ____________

अधिक - ____________

वाक्य बनाना :

१. नीचे दी गई तालिका के शब्दों द्वारा वाक्य बनाओ :

क)

उसने चाकू चूहे ने अपने पैने दाँतों हम कलम पौधा धूप	से	आम काटा । जाल काट दिया । लिखते हैं । मुरझा गया ।

ख)

वे आँखों कबूतर का एक झुण्ड उधर सभी कबूतर आफत पेड़	से	ओझल हो गए । निकला । बच गए । पत्ता गिरा ।

तुम्हारे लिए काम :

तुम पशु-पक्षियों से संबंधित कहानियों का संग्रह करो ।

कोयल

कौआ भी काला है पर वह
काँव-काँव चिल्लाता,
उसको कोई प्यार न करता,
कंकड़ मार भगाता ।

आमों के बागों ने पहना
जब बौरों का चोला,
काली-काली कोयल बोली,
कानों में रस घोला ।

कुहू-कुहू की तान सुनाई
कितनी प्यारी-प्यारी,
सुनकर उसे वसन्त लुभाया,
फूल उठी फुलवारी ।

सबसे हिल-मिल मीठा बोलो
कोयल ने यह गाया,
रूप-रंग का मान नहीं है,
गुण यह अन्दर पाया ।

शब्द-अर्थ :

काँव-काँव चिल्लाता - कौआ कड़वी बोली बोलता है

कंकड़ - पत्थर के छोटे-छोटे टुकड़े

बौरों का चोला पहना - पेड़ में आम की मंजरी आई

रस - मिठास

कुहू-कुहू - कोयल की बोली

तान - आलाप

लुभाया - ललचाया

फूल उठना - पौधों में फूल आना

फुलवारी - फूलों का बाग

रूप-रंग - शरीर का सौंदर्य

हिलमिल - मिलजुलकर

मान - इज्जत

अभ्यास

सोचो और बताओ :

१. कौए की बोली कैसी होती है ?

२. लोग कौए के प्रति कैसा व्यवहार करते हैं ?

३. कोयल की बोली कैसी होती है ?

४. कोयल किस ऋतु में गाती है ?

५. वसंत ऋतु में आम के बागों में क्या होता है ?

६. कोयल हमें क्या शिक्षा देती है ?

७. सही कथन पर (✓) और गलत कथन पर (✗) चिह्न लगाओ :

क) कौए से सभी प्यार करते हैं ।

ख) लोग कोयल को कंकड़ मारकर भगाते हैं ।

ग) कोयल की बोली मधुर होती है ।

घ) हमें सबसे कड़वी बात करनी चाहिए।

ङ) हमें अपने रूप-रंग का अभिमान रखना चाहिए।

८. खाली स्थान भरकर पंक्तियाँ पूरी करो :

क) आमों के बागों ने ________

जब ________ ________

काली-काली ________ ________

________ में ________ घोला।

ख) सबसे ________ ________ बोलो

________ ने यह गाया

________ का मान नहीं है

________ यह ________ पाया।

शब्द-ज्ञान :

नीचे चन्द्रबिन्दु ' ँ ' और अनुस्वार ' ं ' लगाकर कुछ शब्द लिखे गए हैं। उनको छाँटकर अलग-अलग लिखो :

काँव-काँव, कंकड़, नहीं, अंग्रेजी , आँधी, रंग, संकट, भौंरा, ऊँट, खाँसी, संस्कृत, भैंस, साँस, बाँस, चाँद, चंद्रमा, आँख, अंग, वंश, झाँझ, साँप, संपदा, झंकार, गँवार

नीचे लिखे संयुक्त व्यंजनों का प्रयोग करके शब्दों की खाली जगह भरो :

(लै, ल्ली, हाँ, लां, ष्य, न्हे, द्ध, स्त, न्द, र्ब)

न ________	त ________ या
बि ________	छ ________ ग
दो ________	व ________
का ________ न	शु ________
मनु ________	पस________

वाक्य बनाओ :

प्यार ____________________

कंकड़ ____________________

बाग ____________________

मीठा ____________________

अंदर ____________________

किसकी बोली कौन सी है :

'क' विभाग के प्राणियों के साथ 'ख' विभाग की बोलियों को जोड़ो :

'क'	'ख'
कोयल	भौंकता है
कौआ	गुटर-गूँ करता है
कबूतर	म्याऊँ-म्याऊँ करती है
कुत्ता	काँव-काँव करता है
बिल्ली	कुहू-कुहू करती है

तुम्हारे लिए काम :

१. कविता को कण्ठस्थ करके दोस्तों को सुनाओ ।

२. अपने माता-पिता से पूछकर विभिन्न ऋतुओं की घटनाओं के बा में जानो ।

३. तुम्हारे परिचित पक्षियों के नाम कॉपी में लिखो ।

बहुत समय पहले की बात है । एक घने जंगल में एक शेर रहता था। शेर बहुत बूढ़ा और कमज़ोर हो गया था। अत: स्फूर्ति से शिकार नहीं कर पाता था । कई बार उसे भूखे पेट सोना पड़ता था ।

एक दिन वह शिकार की तलाश में इधर-उधर घूम रहा था कि उसे एक गुफा दिखाई दी। शेर ने सोचा - ''इसमें अवश्य ही कोई जानवर रहता होगा। क्यों न इस गुफा में बैठकर उसकी प्रतीक्षा करूँ ?'' शेर गुफा के अंदर बैठकर प्रतीक्षा करने लगा।

वास्तव में उस गुफा में एक चतुर लोमड़ी रहती थी । वह दिन भर जंगल में घूमकर अपना भोजन ढूँढती और सूरज ढलने से पहले गुफा में लौट आती थी। वह उस गुफा में सुख व आराम से रहती थी । उस दिन जब लोमड़ी गुफा के पास आई तो वह चकित रह गई । उसे गुफा के अंदर किसी के पैरों के निशान जाते हुए दिखाई दिए; परंतु बाहर लौट आने के निशान नहीं थे ।

5D85FZ

लोमड़ी का माथा ठनका। उसे एक उपाय सूझा। उसने ज़ोर से पुकारा - 'गुफा, गुफा ! क्या मैं अंदर आऊँ ?'

लोमड़ी की पुकार सुनकर शेर ने सोचा - ''शायद लोमड़ी प्रतिदिन गुफा में अंदर आने से पहले यही बोलती है। गुफा इसके प्रश्न का उत्तर देती होगी। आज मेरे डर से यह चुप है।'' शेर यह सोच ही रहा था कि लोमड़ी ने फिर पुकारा - ''गुफा, गुफा ! क्या मैं अंदर आऊँ ?'' शेर गुफा के अंदर से बोल उठा - ''लोमड़ी, लोमड़ी! तुम अंदर आ जाओ ।''

लोमड़ी तुरंत ही शेर की आवाज़ पहचान गई । उसने कहा - ''शेर भाई! क्या गुफा भी कभी बोलती है ? परंतु बोलकर तुमने मुझे सब कुछ बता दिया। अब तुम यहीं बैठो, मैं कहीं और विश्राम कर लूँगी।''

लोमड़ी वहाँ से भाग गई । शेर भूखा रह गया। उसने बोलकर सारा खेल बिगाड़ दिया । बेचारा अपना-सा मुँह लेकर बैठ गया ।

शब्दार्थ :

कमजोर - दुर्बल, कम ताकतवाला
चकित - हैरान
स्फूर्ति - चुस्ती
माथा ठनका - शंका हुई
अवश्य - निश्चय
विश्राम - आराम
प्रतीक्षा - इंतजार
खेल बिगाड़ दिया - काम बिगाड़ दिया
चतुर - होशियार
अपना-सा मुँह लेकर - निराश होकर
सूरज ढलना - शाम होना

अभ्यास

सोचो और बताओ :

१. शेर स्फूर्ति से क्यों शिकार नहीं कर पाता था ?

२. शेर ने गुफा देखकर क्या सोचा ?

३. गुफा में कौन रहता था ?

४. लोमड़ी कैसी थी ?

५. लोमड़ी दिनभर क्या करती थी ?

६. लोमड़ी गुफा के पास आकर क्यों चकित रह गई ?

७. लोमड़ी ने क्या कहकर पुकारा ?

८. शेर ने लोमड़ी की पुकार सुनकर क्या सोचा ?

९. शेर का उत्तर सुनकर लोमड़ी ने क्या कहा ?

सही-गलत :

१. नीचे लिखे कथनों में जो सही हैं उनके सामने (✓) चिह्न और जो गलत हैं उनके सामने (✗) चिह्न लगाओ :

क) शेर बहुत बूढ़ा और कमजोर हो गया था।

ख) गुफा में एक भोली लोभड़ी रहती थी ।

ग) लोमड़ी गुफा में सुख व आराम से रहती थी ।

घ) लोमड़ी गुफा के सामने से भाग गई ।

ङ) शेर ने लोमड़ी को खा लिया ।

खाली जगह भरना :

लोमड़ी ________ पुकार सुनकर शेर ________ सोचा - ''शायद लोमड़ी प्रतिदिन गुफा ________ अंदर आने ________ पहले यही बोलती है। गुफा इस —— प्रश्न ________ उत्तर देती होगी। आज मेरे डर यह चुप है।''

किसने किससे कहा :

१. गुफा, गुफा ! क्या मैं अंदर आऊँ ।

२. तुम अंदर आ जाओ ।

३. क्या गुफा भी कभी बोलती है ?

कैसे संयुक्त करें :

स् - ॅ ___ फू ___ स्फू ___ स्फूर्ति

त् - ॅ ___ य ___ त्य ___ सत्य

श् - ॅ ___ व ___ श्व ___ अश्व

च् - च ___ छ ___ च्छ ___ अच्छा

प् - प ___ त ___ प्त ___ सुप्त

स् - स ___ व ___ स्व ___ स्वच्छ

ष् - ष ___ य ___ ष्य ___ मनुष्य

न् - न ___ द ___ न्द ___ सुन्दर

तुम्हारी समझ में :

१. क्या होता, यदि लोमड़ी जान नहीं पाती कि गुफा के अंदर कोई है।

२. क्या होता, यदि शेर लोमड़ी की पुकार का उत्तर न देता ।

शब्दज्ञान :

१. निम्नलिखित अक्षरों को सजाकर शब्द बनाओ :

नपहचा, रकजोम, वनजार, क्षाप्रती, ननिशा

२. कोष्ठक में से अक्षर लेकर खाली स्थान भरो :

(स्त, श्य, श्न, ष्प, श्रा, स्फू, द्भ, ष्क, स्क, श्च)

पु ________ वा ________ व ________ र्ति

प्र ________ अव ________ वि ________ म

उ ________ व नि ________ ल भा ________ र

पु ________ र

३. सारणी से अक्षर लेकर शब्द बनाओ :

शि	क	म	जो	र
का	बू	प्र	ती	क्षा
र	ढ़ा	लो	च	शा
दि	शे	म	कि	य
न	र	ड़ी	त	द

भाषा-ज्ञान :

१. दिए गए शब्दों के सही रूप लिखकर वाक्यों को पूरा करो :

क) कई बार उसे भूखे पेट _____ _____ था (सोना पड़ना)

ख) वह इधर-उधर घूम रहा था कि उसे एक गुफा _____ दी । (देखना)

ग) शेर ने _____ । (सोचना)

घ) उस दिन लोमड़ी उस गुफा के पास _____ । (आना)

ङ) गुफा, गुफा ! क्या मैं अंदर _____ ? (आना)

च) मैं कहीं और विश्राम _____ । (कर लेना)

२. कोष्ठक में से शब्द चुनकर खाली स्थान भरो :

(ने, से, की, का, में)

क) शेर स्फूर्ति _____ शिकार नहीं कर पाता था ।

ख) इस _____ अवश्य ही कोई जानवर रहता होगा ।

ग) लोमड़ी _____ माथा ठनका ।

घ) लोमड़ी शेर _____ आवाज पहचान गई ।

ङ) शेर _____ सोचा ।

३. शब्दों को सजाकर सही वाक्य बनाओ :

क) ठनका का लोमड़ी माथा ।

ख) उठा गुफा के अंदर शेर से बोल ।

ग) है कभी गुफा क्या बोलती भी ?

घ) गया शेर रह भूखा ।

ङ) गुफा इसके होगी का देती प्रश्न उत्तर ।

४. उदाहरणों को देखकर वाक्यों के खाली स्थान भरो :

इसमें कोई जानवर रहता होगा ।	गुफा उत्तर देती होगी ।
मोहन रोज पाठ पढ़ता ______ ।	राधा रोज पाठ पढ़ती ______ ।
गोपाल स्कूल ______ होगा ।	रानी रोज पाठ पढ़ती ______ ।
राकेश मैदान में क्रिकेट ____ ____ ।	स्मिता बॉल ______ ______ ।
राजेश चिट्ठी ______ ______ ।	रजनी चिट्ठी ______ ______ ।
बच्चा दूध ______ ______ ।	बच्ची दूध ______ ______ ।

५. नीचे लिखे गए वाक्य को देखो :

लोमड़ी का माथा ठनका। उसे एक उपाय सूझा। उसने जोर से पुकारा- ''गुफा, गुफा! क्या मैं अंदर आऊँ ?''

दूसरे वाक्य में 'उसे' और तीसरे वाक्य में 'उसने' लोमड़ी के लिए आए हैं। चौथे वाक्य में 'मैं' भी लोमड़ी के लिए आया है। 'लोमड़ी' नाम बार-बार कहने से अच्छा सुनाई नहीं पड़ेगा। इसलिए लोमड़ी के लिए दूसरे शब्द आए हैं। इनको सर्वनाम कहते हैं। मैं, हम, तू, तुम, आप, वह, वे, यह, ये, उसे, इसने, उसने, उन्होंने, इन्होंने, जिसने, कोई आदि सर्वनाम हैं।

इस पाठ में आए सर्वनामों को छाँटकर एक सूची बनाओ ।

एक-एक

5DH1HM

एक-एक यदि तुम पेड़ लगाओ,
तो तुम बाग लगा दोगे ।
एक-एक यदि ईंट जोड़ो,
तो तुम महल बना दोगे ।

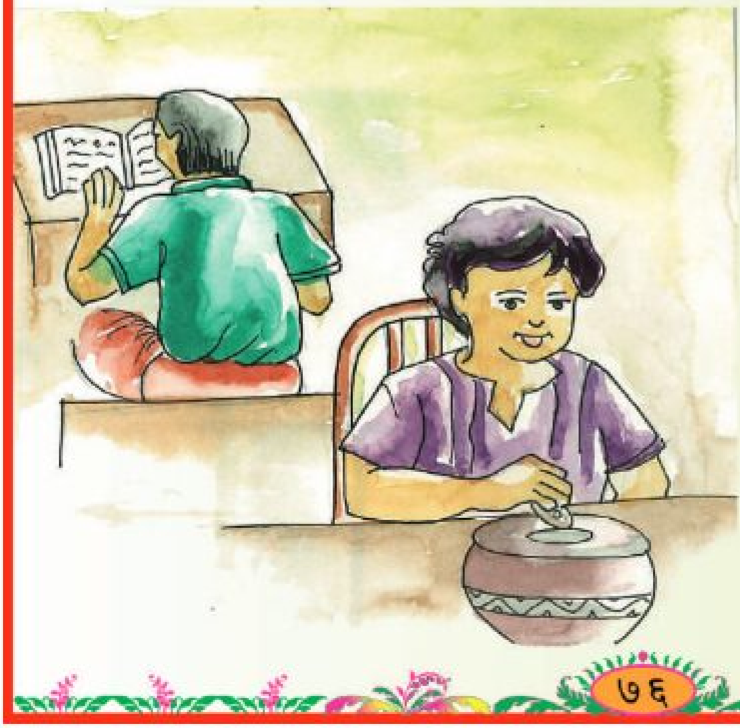

एक-एक यदि पैसा जोड़ो,
तो बन जाओगे धनवान ।
एक-एक यदि अक्षर लिखो,
तो बन जाओगे विद्वान ।।

शब्द-अर्थ :

महल - बड़ी कोठी, इमारत

धनवान - पैसेवाला

विद्वान - बहुत पढ़ा-लिखा आदमी

अभ्यास

सोचो और बताओ :

१. बाग किस प्रकार लग सकता है ?

२. एक-एक ईंट जोड़ने से क्या बन सकता है ?

३. एक-एक पैसा जोड़ने से व्यक्ति क्या बन सकता है ?

४. व्यक्ति विद्वान कैसे बन सकता है ?

५. कविता की अधूरी पंक्तियाँ पूरी करो :

एक-एक यदि पैसा जोड़ो ________ ।

एक-एक यदि अक्षर लिखो ________ ।

५. 'क' स्तंभ में लिखित शब्दों के साथ 'ख' स्तंभ में लिखित शब्दों को जोड़कर सही वाक्य बनाओ :

'क'	'ख'
एक-एक पेड़ लगाने से	महल बन सकता है ।
एक-एक ईंट जोड़ने से	व्यक्ति धनवान बन सकता है ।
एक-एक पैसा जोड़ने से	व्यक्ति विद्वान बन सकता है ।
एक-एक अक्षर लिखने से	बाग लग सकता है ।

वाक्य बनाना :

१. निम्नलिखित शब्दों का प्रयोग करके वाक्य बनाओ :

ईंट, पेड़, पैसा, बाग, महल, धनवान, विद्वान

शब्दों का मेल :

नीचे दिए गए चार-चार शब्दों में से एक-एक शब्द अलग है। उसी शब्द पर घेरा लगाओ।

क)	पेड़	पौधा	झाड़ी	फूल
ख)	ईंट	महल	पत्थर	मिट्टी
ग)	पैसा	सोना	रुपया	अठन्नी
घ)	हिन्दी	अक्षर	शब्द	वाक्य
ङ)	विद्वान	धनवान	गुणवान	शक्तिहीन

मिलते-जुलते शब्द :

नीचे कुछ शब्द दिए गए हैं। इनमें तीन-तीन शब्द मिलते-जुलते शब्द हैं। उनको छाँटकर **लिखो** :

वैसा, पेड़, बाग, तुम, महल, भेड़, घूम, सहल, छेड़, बन, धन, कैसा, राग, झूम, याग, पहल, मन, पैसा

तुम्हारे लिए काम :

कविता कण्ठस्थ करो और दोस्तों को सुनाओ। कल्पना करो कि यदि तुम पंछी होते ... तो क्या करते ? उसे छोटे भाई-बहनों को सुनाओ।

असली धन

इस चित्र को देखो। यह चित्र हमारे राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी का है। इन्हें हम प्यार से 'बापू' भी कहते हैं। वे एक महान् पुरुष थे। उनके परिश्रम और बलिदान से आज हमारा देश स्वतंत्र है ।

यह घटना उन्हीं के जीवन से सम्बन्धित है ।

गुजरात प्रदेश के सेवाग्राम नामक स्थान पर बापूजी ने अपना आश्रम बनाया था। यह घटना उसी आश्रम की है ।

एक दिन गाँधीजी सवेरे घूमने निकले। और भी कुछ लोग उनके साथ थे। अचानक गाँधी जी की दृष्टि मार्ग में पड़े पूनी के एक छोटे से टुकड़े पर पड़ी। उन्होंने साथ में चल रही एक बहन को उसे उठा लेने का संकेत किया। उस बहन ने उसे उठा लिया ।

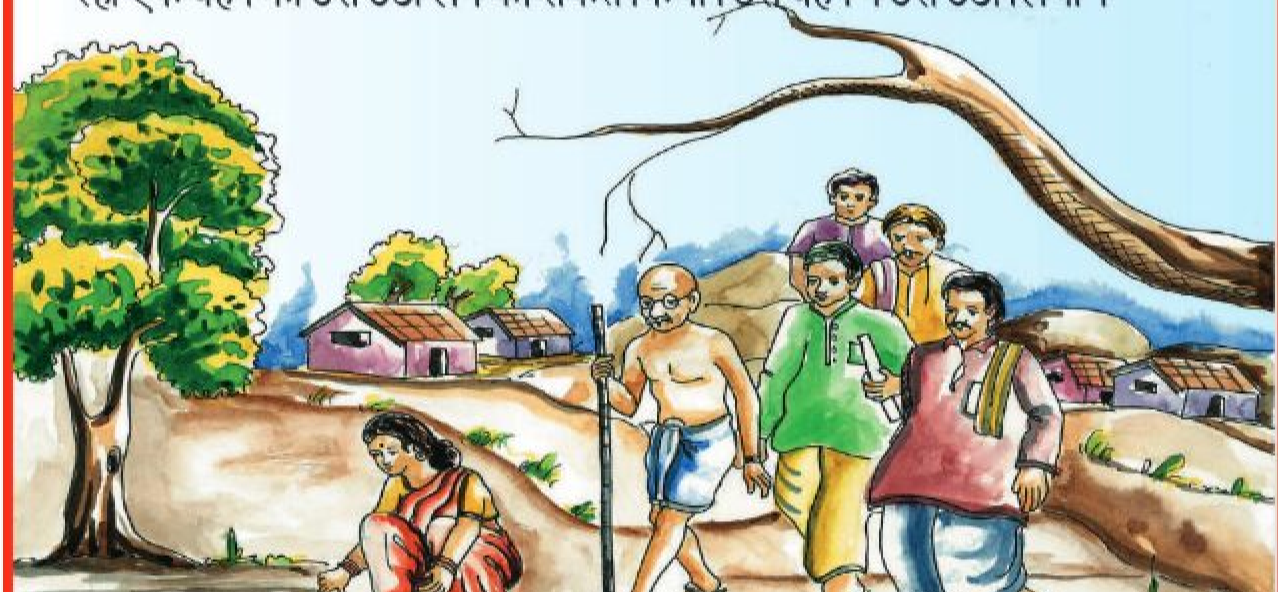

टहलने के वाद गाँधी जी जब आश्रम में लौटे तो उन्हें सहसा पूनी के उस टुकड़े की याद हो आई । जिस बहन ने उसे उठाया था, उसे बुलाया गया। गाँधी जी ने कहा, ''पूनी के जिस टुकड़े को तुमने उठाया था, उसे ले आओ। ''

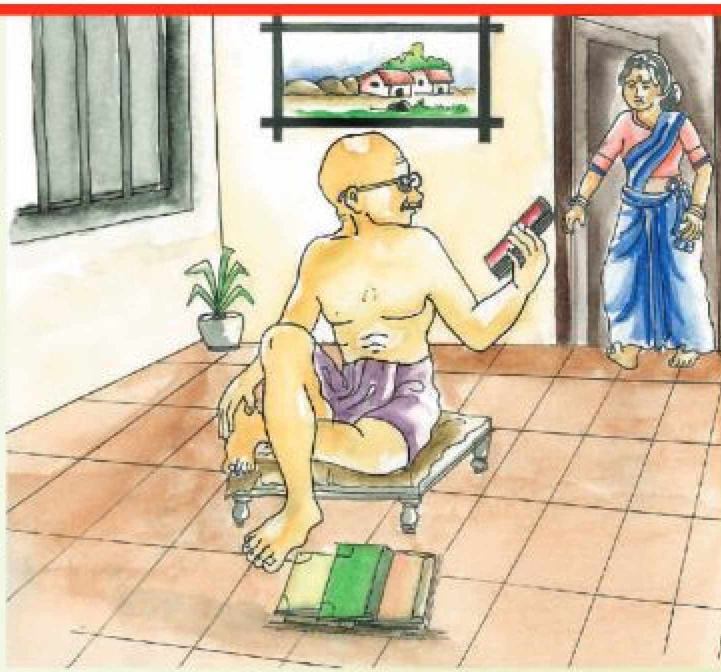

वह बहन यह सुनकर हैरान हो गई । बोली, ''बापू! मैंने तो यह सोचकर कि मार्ग में कचरा पड़ा है, उसे उठाकर कूड़ेदान में डाल दिया।''

गाँधी जी की त्यौरियाँ चढ़ गई, उन्होंने पूछा, ''यदि वहाँ पैसा पड़ा होता, तो क्या तुम उसे उठाकर कचरे में डाल आती ?

उसने उत्तर दिया, ''नहीं।''

''तब'', गाँधी जी ने कहा, ''वह भी पैसा ही था। असली धन क्या है ? यह तुम्हें आश्रम में रहकर पहचानना चाहिए । जिसने उस पूनी को बिना पूरा काते छोड़ा, उसने तो धन फेंका ही; परन्तु मैंने तुमसे उठाने को कहा, तब भी तुम उस धन को नहीं पहचान सकी। जाओ, उसे ले आओ। स्मरण रखो, परिश्रम से धन बनता है और धन बनने पर उसका उचित उपयोग करना हमारा कर्तव्य है।''

एक अन्य अवसर पर गाँधी जी ने कहा था कि यदि हम एक छोटी-सी चीज़ को संभाल नहीं सकते, तो स्वराज्य को संभालना भी हमारे लिए कठिन होगा ।

शब्द-अर्थ :

महान् - बहुत ऊँचे विचार वाले	परिश्रम - मेहनत
बलिदान - त्याग	स्वतंत्र - आजाद
दृष्टि - निगाह, नजर	मार्ग - रास्ता

आश्रम - वह स्थान जहाँ महान व्यक्ति अपने शिष्यों के साथ रहते हैं।

पूनी - धुनी हुई की बाती, जो सूत कातने के लिए जाती है।

संकेत - इशारा	याद - स्मरण
सहसा - अचानक	हैरान होना - आश्चर्य में पड़ जाना
कचरा - कूड़ा - करकट	कूड़ेदान - कूड़ा रखने का पात्र
त्यौरियाँ चढ़ गईं - गुस्सा आ गया	स्मरण रखो - याद रखो
उचित - ठीक-ठीक	उपयोग - प्रयोग, काम में लाना
अवसर - मौका	कर्तव्य - जिम्मेदारी
स्वराज्य - अपना राज्य	कठिन - मुश्किल

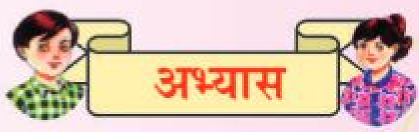

अभ्यास

सोचो और बताओ :

१. हमारे राष्ट्रपिता कौन हैं ?

२. हम महात्मा गाँधी को प्यार से क्या कहकर पुकारते हैं ?

३. किसके कारण हमें स्वतंत्रता मिली है ?

४. मार्ग में गाँधी जी की दृष्टि किस पर पड़ी ?

५. उन्होंने साथ में चल रही एक बहन को क्या संकेत किया ?

६. आश्रम में पहुँचकर गाँधीजी ने उस बहन से क्या कहा ?

७. उस बहन ने पूनी के बारे में क्या उत्तर दिया ?

८. गाँधी जी ने गुस्से में उस बहन से क्या पूछा ?

९. गाँधी जी के अनुसार असली धन क्या है ?

१०. गाँधी जी ने हमारा कर्त्तव्य क्या बताया ?

११. निम्नलिखित वाक्यों के खाली स्थान भरो :

क) गुजरात प्रदेश के ____ नामक स्थान पर बापूजी ने अपना आश्रम बनाया था ।

ख) अचानक गाँधी जी की _____ मार्ग में पड़े पूनी के एक छोटे से टुकड़े पर पड़ी ।

ग) ______ से धन बनता है ।

घ) मैंने तो यह सोचकर कि मार्ग में _____ पड़ा है, उसे उठाकर कूड़ेदान में डाल दिया ।

ङ) धन बनने पर उसका उचित ______ करना हमारा कर्त्तव्य है।

१२. नीचे 'क' स्तंभ में शब्द और 'ख' स्तंभ में उनके अर्थ दिए गए हैं। उनका मिलान करो :

'क'	'ख'
कर्त्तव्य	मेहनत
संकेत	त्याग
बलिदान	आजाद
स्मरण	जिम्मेदारी
स्वतंत्र	रास्ता
मार्ग	इशारा
परिश्रम	याद
	अकेला

भाषा-कार्य :

क्रिया : निम्नलिखित वाक्यों को पढ़ो :

१. गाँधी जी घूमने निकले ।

२. बहन ने पूनी का टुकड़ा उठा लिया ।

३. परिश्रम से धन बनता है ।

पहले वाक्य में 'घूमने निकले' में घूमने निकलने का काम गाँधी जी ने किया ।

दूसरे वाक्य में 'उठा लिया' में उठा लेने का काम बहन ने किया ।

तीसरे वाक्य में 'बनता है' में बनने का काम धन का होता है ।

जिस शब्द से किसी काम का करना या होना जाना जाता है, उसे क्रिया कहते है ।

यहाँ घूमने निकले, उठा लिया, बनता है - क्रियाएँ हैं।

१. निम्नलिखित वाक्यों के क्रियाओं को रेखांकित करो :

क) गाँधी जी ने कहा ।

ख) इस चित्र को देखो ।

ग) उसने धन फेंका ।

घ) उसे संभालना हमारे लिए कठिन होगा ।

श - ष - स :

निम्नलिखित शब्दों में से 'श', 'ष', और 'स', वर्णों से बने शब्दों को अलग-अलग सूची में रखो :

स्मरण, राष्ट्र, संबंधित, पुरुष, परिश्रम, देश, अवसर, स्वतंत्र, स्थान, आश्रम, इस, साथ, दृष्टि, संकेत, सहता, जिस, सुनकर, सोचकर, पैसा, स्वराज्य, शरण

तुम अपने मन से सोचकर 'श', 'ष', 'स' वाले पाँच-पाँच शब्द लिखो।

तुम्हारी समझ में :

१. इस पाठ में गाँधी जी ने हमें क्या शिक्षा दी है ?

२. क्या होता अगर गाँधी जी रास्ते पर पड़े पूनी के टुकड़े की ओर ध्यान नहीं देते।

तुम्हारे लिए काम :

इस पाठ से संयुक्त वर्ण वाले शब्दों को छाँटो और उन्हीं वर्णों से बने नए शब्द लिखो ।

गाँधी जी के संबंध में अन्य विषय पढो, जिनसे हमें कोई-न-कोई शिक्षा मिलती हो ।

अंत्याक्षरी

तुम एक शब्द लिखो । उसी शब्द के अंतिम वर्ण से फिर एक शब्द उसके सामने लिखो । उसी दूसरे शब्द के अंतिम वर्ण से फिर तीसरा शब्द बनाओ । इस प्रकार बढ़ाते जाओ ।